सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आजाद समाज पार्टी ने जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन पेज: 3

गैंगस्टर का रोल निभाना चाहती हैं मालविका मोहनन पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 163 | गुरुवार 17 सितंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

फोर्टिस हेल्थकेयर पहुंची सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली एचसी के फोरेंसिक ऑडिट आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली। फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली हाई कोर्ट के 31 अगस्त के आदेश को चुनौती दी है। यह आदेश दाइची सैंक्यो के उस आर्बिट्रल अवॉर्ड (मध्यस्थता फैसले) को लागू करने की कार्यवाही से जुड़ा है, जो फोर्टिस के पूर्व प्रमोटरों - मलविंदर मोहन सिंह और शिविंदर मोहन सिंह - और उनसे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ था। अपनी स्पेशल लीव पिटिशन में फोर्टिस ने आरोप लगाया है कि हाई कोर्ट के निर्देशों का मतलब एक लिस्टेड कंपनी को बिना किसी समय-सीमा वाली फॉरेंसिक जांच के दायरे में लाना है, जबकि वह कंपनी न तो मूल आर्बिट्रेशन में कोई पक्ष थी और न ही वह 'जजमेंट डेटर' (फैसले के तहत देनदार) या 'गार्निशी' (जिसके पास देनदार की संपत्ति या पैसा हो) थी। फोर्टिस का तर्क है कि हाई कोर्ट ने कंपनी को उसके पुराने प्रमोटरों का ही एक हिस्सा या दूसरा

यूपीआई भुगतान शुल्क और यूपीआई के नए नियम सामने आते ही जनता खुश, मोदी हैं तो सब मुमकिन है

नई दिल्ली। देश में डिजिटल भुगतान की सबसे लोकप्रिय व्यवस्था यूपीआई को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। इस बदलाव को लेकर विपक्ष मोदी सरकार पर निशाना साध रहा है लेकिन सरकार का कहना है कि आम आदमी का हित जरा भी प्रभावित नहीं होगा। लेकिन फिर भी मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक में इस मुद्दे पर भ्रमित करने वाले समाचार और टिप्पणियां दिख रही हैं। जहां तक संभावित बदलाव की बात है तो आपको बता दें कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने व्यापारी लेन-देन पर लागू व्यापारी छूट दर के ढांचे में संशोधन किया है, जो 15 अक्टूबर 2026 से प्रभावी होगा। नए प्रावधान के तहत दो हजार रुपये से अधिक के कुछ व्यापारी भुगतान पर शून्य दशमलव चार प्रतिशत की दर से शुल्क लिया

जाएगा। हालांकि, यह शुल्क व्यापारी से लिया जाएगा और किसी भी स्थिति में ग्राहक से वसूल नहीं किया जा सकेगा। नए नियम के अनुसार प्रति लेन-देन अधिकतम तीन सौ रुपये शुल्क तय किया गया है। यानी पांच हजार रुपये के भुगतान पर बीस रुपये और पचास हजार रुपये के भुगतान पर दो सौ रुपये शुल्क बनेगा। पचहत्तर हजार रुपये के भुगतान पर शुल्क तीन सौ रुपये तक पहुंचेगा और इसके बाद भी अधिकतम सीमा तीन सौ रुपये ही रहेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आम लोगों के बीच होने वाले व्यक्ति से व्यक्ति भुगतान इस शुल्क के दायरे से बाहर रहेंगे। रोजमर्रा के अधिकांश छोटे व्यापारी भुगतान भी पहले की तरह निःशुल्क बने रहेंगे। सरकार ने साफ किया है कि यूपीआई प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने वाली कंपनियां भी इन लेन-देन पर कोई अतिरिक्त मंच शुल्क या छिपा हुआ शुल्क नहीं लगा सकतीं। बैंकों को भी यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि व्यापारी इस शुल्क का बोझ ग्राहकों पर न डालें। इस बदलाव में छोटे

यूपीआई क्यूआर माध्यम से प्रतिमाह एक लाख रुपये तक...

छोटे कारोबारियों को विशेष राहत दी गई है। यूपीआई क्यूआर माध्यम से प्रतिमाह एक लाख रुपये तक भुगतान प्राप्त करने वाले छोटे व्यापारी नए शुल्क से पूरी तरह मुक्त रहेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इससे लगभग 96 प्रतिशत व्यापारी लेन-देन सुरक्षित रहेंगे।

कारोबारियों को विशेष राहत दी गई है। यूपीआई क्यूआर माध्यम से प्रतिमाह एक लाख रुपये तक भुगतान प्राप्त करने वाले छोटे व्यापारी नए शुल्क से पूरी तरह मुक्त रहेंगे। अधिकारियों के अनुसार, इससे लगभग 96 प्रतिशत व्यापारी लेन-देन सुरक्षित रहेंगे। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में व्यापारियों को किए जाने वाले यूपीआई क्यूआर भुगतान भी निःशुल्क रहेंगे। शुल्क से प्राप्त राशि का पांच प्रतिशत एक विशेष कोष में जाएगा, जिसका इस्तेमाल छोटे व्यापारियों के बीच यूपीआई की पहुंच बढ़ाने के लिए किया जाएगा। साथ ही कुछ आवश्यक सेवाओं के लिए अलग व्यवस्था रखी गई है। रेलवे, दूरसंचार, ईंधन और बीमा जैसे क्षेत्रों में दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान पर पांच रुपये का स्थिर शुल्क होगा। वहीं, म्यूचुअल फंड और शेयर कारोबार जैसे पूंजी बाजार संबंधी लेन-देन पर केवल शून्य दशमलव शून्य दो प्रतिशत शुल्क लगेगा, जिसकी अधिकतम सीमा तीन सौ रुपये होगी। यूपीआई के विशाल आकार को देखते हुए यह बदलाव खासा महत्वपूर्ण है। वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई के जरिये 24,161.69 करोड़ लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग 314 लाख करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2016-17 में यह संख्या केवल 1.78 करोड़ लेन-देन और मूल्य सात हजार करोड़ रुपये के आसपास था। इसी अवधि में यूपीआई से जुड़े बैंकों की संख्या 44 से बढ़कर 703 हो गई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक व्यापारी से भुगतान वाले लेन-देन कुल संख्या का 63 प्रतिशत हैं। इनमें लगभग 86 प्रतिशत भुगतान पांच सौ रुपये से कम के हैं। दूसरी ओर, व्यक्ति से व्यक्ति भुगतान संख्या में 37 प्रतिशत हैं

दिशा सालियन मामले में सीबीआई की प्राथमिकी पर बोले आदित्य ठाकरे, कभी नहीं मिला, यह चरित्र हनन है

नई दिल्ली। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को कहा कि वह दिशा सालियान से कभी नहीं मिले और साथ ही कहा कि इस मामले से उनका नाम जोड़ना चरित्र हनन की कोशिश है। आदित्य का यह बयान सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन द्वारा सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियन की 2020 में हुई मौत की जांच शुरू करने के लिए प्राथमिकी दर्ज करने के कुछ दिनों बाद आया है। यह प्राथमिकी दिशा के पिता सतीश सालियन की शिकायत पर दर्ज की गई थी, जिसमें उन्होंने इस मामले में आदित्य ठाकरे समेत कई नेताओं और पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच की मांग की थी। ध्यान देने वाली बात यह है कि प्राथमिकी में नाम होने का मतलब यह नहीं है कि इनमें से किसी व्यक्ति को आरोपी

बनाया गया है। बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले के मुताबिक, ऋक्षफ्र में किसी को भी आरोपी के तौर पर लिस्ट नहीं किया गया है। आदित्य ने अपने आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट में दावा किया कि उनके खिलाफ निजी स्वार्थ वाले लोगों ने लगातार बदनाम करने का अभियान चलाया है, और कहा कि इसमें सच या सबूत का एक भी अंश नहीं है। यूटीबी के विधायक ने कहा कि आइए, फालतू बातों को छोड़कर एक बार फिर असलियत पर बात करते हैं: मैं दिशा सालियान से कभी नहीं मिला और न ही उन्हें जानता हूँ। पिछले लगभग 6 सालों से कुछ लोग अपने राजनीतिक और निजी मकसदों के लिए मेरे नाम को इस दुखद मामले से लगातार जोड़ रहे हैं। यह मेरी छवि खराब करने की एक सोची-समझी और बिना सबूत वाली कोशिश है। उन्होंने आगे कहा कि बिना किसी सबूत या सच्चाई के, कुछ खास मकसदों वाले लोगों द्वारा लगातार बदनाम करने की मुहिम चलाना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। टीवी पर जोरदार बहस और मीडिया ट्रायल से सच्चाई नहीं बदलती। आदित्य ने मांग की कि आधिकारिक दोबारा जांच राजनीतिक मकसदों के लिए छवि खराब करने और ध्यान भटकाने वाली बुरी कोशिशों के बिना आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि उन कुछ लोगों से फिर कहना चाहता हूँ जो सोचते हैं कि ऐसी बुरी कोशिशों और राजनीतिक इस्तेमाल से हमें सच्चाई और अपने साथी नागरिकों के लिए लड़ने से रोका जा सकता है - यह एक नाकाम रणनीति है। हम हमेशा सच्चाई के साथ खड़े रहेंगे और उसके लिए लड़ते रहेंगे। यह बात तब सामने आई है

हरियाणा में सेवा संकल्प अभियान का आगाज, सीएम नायब सैनी ने परखीं तैयारियां

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए एक हाई-लेवल समीक्षा बैठक की। यह अभियान पूरे राज्य में एक महीने तक चलेगा और 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। अभियान की शुरूआत गुरुवार सुबह राज्य भर के सभी सांस्कृतिक और विकास से जुड़े अहम स्थानों पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर और अंबाला में 'नमो मैराथन' के साथ होगी। कल दोपहर भगवान विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कैंपेन में 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना' को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया

जाएगा। इस योजना का मकसद कम आय वाले परिवारों की महिलाओं को सीधे आर्थिक लाभ देकर उन्हें सशक्त बनाना है; इसमें वे परिवार शामिल हैं जिनकी सालाना आय 1.80 लाख रुपये तक है। मुख्यमंत्री कल महेंद्रगढ़ से कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। दिन के कार्यक्रमों का समापन कुरुक्षेत्र में होगा, जहाँ पवित्र ब्रह्म सरोवर के तट पर 'गीता आरती' आयोजित की जाएगी और साथ ही एक भव्य ड्रोन शो भी होगा, जिसमें राज्य की सांस्कृतिक विरासत और विकास की सोच को दिखाया जाएगा। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान का मकसद सिर्फ. कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित करना नहीं, बल्कि बूथ स्तर पर सेवा, सुशासन, गरीबों के कल्याण और विकसित भारत का संदेश फैलाना है। इस अभियान का मुख्य आकर्षण काशी से गुजरात के वडनगर तक की बाइक यात्रा होगी। यह यात्रा 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुरू होगी—काशी विश्वनाथ मंदिर में 10 नदियों का जल अर्पित करने के बाद—और लगभग 20 दिन बाद 7 अक्टूबर को उनके जन्मस्थान वडनगर में समाप्त होगी। सत्ताधारी पार्टी का मकसद प्रधानमंत्री के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को सेवा, सुशासन, विकास और गरीबों के कल्याण के कार्यों से जोड़ना है, ताकि इस अभियान की पहुँच समाज के अलग-अलग वर्गों तक बढ़ाई जा सके।

तेलंगाना में सेमीकंडक्टर उद्योग लगाएगा सिंगापुर, सीएम रेवंत रेड्डी से मिले प्रतिनिधि

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सिंगापुर की कंपनियों को तेलंगाना में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है, क्योंकि राज्य सरकार संभावित निवेशकों को हर तरह की मदद देने के लिए तैयार है। सिंगापुर के व्यापार और उद्योग मंत्रालय के तहत ऊर्जा बाजार विभाग के स्थायी सचिव ऑगस्टीन ली के नेतृत्व में सिंगापुर के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज विधानसभा में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक के दौरान सिंगापुर के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना में सेमीकंडक्टर उद्योग स्थापित करने की अपनी इच्छा जताई। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना में अपनी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करने के लिए सिंगापुर की कंपनियों का स्वागत करते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार राज्य में उनके निवेश को पूरा समर्थन देगी। प्रतिनिधियों ने निवेश प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को राज्य सरकार

द्वारा शुरू की गई कई बड़ी विकास परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी और सिंगापुर से आर्थिक मदद मांगी। जारी बयान के अनुसार, सिंगापुर के प्रतिनिधियों को इस साल दिसंबर में 'भारत फ्यूचर सिटी' में होने वाले प्रतिष्ठित 'तेलंगाना ग्लोबल समिट' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मूसी नदी के कायाकल्प प्रोजेक्ट और 'फ्यूचर सिटी' के विकास की मुख्य विशेषताओं के बारे में बताया। बैठक में मूसी प्रोजेक्ट के पहले चरण के चल रहे कामों - जिसमें मूसी और ईसा नदियों के संगम से गांधी सरोवर तक का हिस्सा शामिल है - और 'नाइट इकोनॉमी' को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने 'भारत फ्यूचर सिटी' को नेट-जीरो शहर के तौर पर विकसित करने और हैदराबाद को पर्यटन स्थल से नॉलेज हब में बदलने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल को हार्वर्ड, ऑक्सफोर्ड, एमआईटी और लंदन स्कूल ऑफ बिजनेस जैसे दुनिया के मशहूर विश्वविद्यालयों के साथ तेलंगाना सरकार के उन समझौतों के बारे में बताया, जिनके तहत वे हैदराबाद में अपने ऑफशोर कैंपस स्थापित करेंगे।

सीएम धामी बोले: किशाऊ बांध से साफ होगी यमुना, बिजली उत्पादन भी बढ़ेगा

उत्तराखंड: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बनने वाला किशाऊ बांध प्रोजेक्ट बिजली बनाने के साथ-साथ हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश को पीने का पानी भी देगा। प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए धामी ने कहा कि यमुना नदी की सफाई से जुड़ी चुनौतियों को देखते हुए किशाऊ बांध दिल्ली के लिए बहुत अहम होगा। उन्होंने कहा, "लोगों को पीने का पानी मिलेगा और यमुना साफ होगी; एक बार जब यमुना साफ हो जाएगी, तो गंगा भी अपने आप साफ हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रोजेक्ट से बिजली भी पैदा होगी। धामी ने कहा कि पिछले 12 सालों में अलग-अलग राज्यों के बीच 10 से ज्यादा बड़े विवाद सुलझाए गए हैं और इसमें शामिल सभी पक्ष संतुष्ट हैं। उन्होंने केन-बेत्वा और नर्मदा जैसे प्रोजेक्ट्स का ज़िक्र किया, साथ ही उत्तराखंड के उन प्रोजेक्ट्स का भी जो दशकों से अटके हुए थे, जैसे देहरादून में लखवार बांध, जमरानी बांध और सोंग बांध प्रोजेक्ट्स। माइनिंग से होने वाली कमाई पर धामी ने कहा कि उत्तराखंड की माइनिंग से होने वाली कमाई, जो पहले लगभग 300-350 करोड़ रुपये थी, अब 1,200 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है। उन्होंने कहा कि यह तीसरा साल है; माइनिंग से होने वाली कमाई, जो पहले लगभग 300-350 करोड़ रुपये थी, अब 1,200 करोड़ रुपये से ज्यादा हो रही है और इस साल के लिए उम्मीदें और भी ज्यादा हैं।" धामी ने कमाई में बढ़ोतरी का श्रेय गैर-कानूनी माइनिंग और चोरी को रोकने के लिए उठाए गए कदमों को दिया और कहा कि सालाना कमाई में 900 करोड़ रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने राज्य के अच्छे काम को देखते हुए उत्तराखंड को 200 करोड़ रुपये का इनाम दिया है, जबकि दूसरे राज्य भी इसी तरह की नीतियां लागू करने

यूपी में कानून का राज, सीएम योगी बोले- अपराधी या तो जेल में हैं या दूसरी दुनिया में

गोरखपुर: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर में 119 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब अच्छे लोग चुने जाते हैं, तो नतीजे भी अच्छे ही मिलते हैं। कुछ महीने पहले इस इलाके में 1.5-2 मीटर चौड़ा गड्ढा था और चारों तरफ कचरा पड़ा रहता था। यहाँ गंदगी रही होगी, लेकिन अब यहाँ एक शानदार बाउंड्री बन गई है और उसके ऊपर यह भव्य कल्याण मंडपम बनकर तैयार हो गया है। जगह वही है, लेकिन सिर्फ.लोगों के बदलने से देखिए कैसा बदलाव आता है—वह बदलाव आज हम सभी को नगर निगम के इस इलाके में साफ दिखाई दे रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 में सत्ता में आने के बाद, हमने प्रधानमंत्री के निर्देशों के अनुसार उत्तर प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बनाने के लिए काम किया है। आज यूपी कर्फ्यू और दंगों से मुक्त है। उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। अपराधी

या तो जेल में हैं या फिर दूसरी दुनिया की यात्रा पर जा चुके हैं। अब वे न तो खुलेआम किसी को धमका सकते हैं, न किसी का अपहरण कर सकते हैं, न ही किसी बेटी को जबरन अगवा करने की हिम्मत कर सकते हैं और न ही किसी व्यापारी से जबरन वसूली कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद के तहत आने वाले 14,429 प्राथमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल ने 14,429 प्राथमिक विद्यालयों को ह्यस्मार्ट स्कूलह्ण के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। उन्होंने इसे शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। खन्ना ने कहा कि इस पहल के लिए 300 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है और योजना के तहत प्रत्येक विद्यालय को 2,07,910 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि स्मार्ट स्कूल में इंटरनेट कनेक्टिविटी और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) लैब जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर शुरू होगा सेवा संकल्प अभियान, कोलकाता में बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के बारे में बात की। इस अभियान के तहत गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर देश भर में 12 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान जन-सेवा और राष्ट्र-निर्माण की भावना को दशार्ता है। उन्होंने बताया कि अभियान की शुरूआत सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में दीये जलाकर की जाएगी। कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि इस अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम राष्ट्र-निर्माण और जन-कल्याण की उसी भावना को दशार्ते हैं जो मोदी जी के पूरे जीवन में दिखाई देती रही है। इस अभियान के तहत देश भर में बारह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर मुझे मोदी जी के पिछले 25 सालों के जीवन को एक शब्द में बताना हो, तो मैं कहूंगा - सेवा। उनका पद बदला है, उनकी जिम्मेदारियां बदली हैं, उनकी भूमिका बदली है और चुनौतियां भी बढ़ी हैं। लेकिन उनके जीवन की मूल भावना नहीं बदली है। उन्होंने बताया कि यह अभियान

सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में दीये जलाकर शुरू किया जाएगा और इसमें शामिल होना पूरी तरह से स्वैच्छिक होगा। रक्षा मंत्री ने कहा, "इसकी शुरूआत सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में दीये जलाकर की जाएगी। किसी को भी ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा; हालांकि, यह स्वाभाविक है कि जिन लोगों को सरकारी योजनाओं से लाभ मिला है, वे खुश होंगे और प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर दीये जलाना चाहेंगे। इस अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसी कई गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।" रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार के प्रमुख के तौर पर पीएम मोदी की 25 साल की यात्रा ने भारत के विकास को एक नई दिशा दी है और दुनिया में देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि यह सफर, जो गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर उनके पद संभालने के साथ शुरू हुआ और प्रधानमंत्री के कार्यकाल में भी जारी रहा, लगभग पच्चीस साल लंबा है। मेरा मानना है कि इस सफर ने न सिर्फ. देश की राजनीति पर असर डाला है, बल्कि भारत के विकास को एक नई दिशा दी है और वैश्विक स्तर पर देश की साख बढ़ाई है।" राजनाथ सिंह ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' सिर्फ. एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि सेवा, सहयोग और जन-भागीदारी के जरिए समाज के हर वर्ग को जोड़ने का हमारा पक्का संकल्प है। उन्होंने आगे कहा, "इन सभी कार्यक्रमों का मुख्य मकसद समाज के जरूरतमंद लोगों तक विकास की योजनाओं को पहुँचाना, जन-सेवा के काम करना और देश के प्रति हमारी ज़िम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा संकल्प अभियान के तहत देश भर में 12 कार्यक्रम आयोजित करने की जानकारी दी। इस अभियान की शुरूआत सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों द्वारा घरों में दीये जलाकर की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान जन-सेवा और राष्ट्र-निर्माण की भावना को दशार्ता है।

संपादकीय

भ्रष्टाचार की शपथ!

हमारे समाज में भ्रष्टाचार का वायरस व्यवस्था की रगों में किस कदर घर कर चुका है उसकी बानगी पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों की हरकत से उजागर हुई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल होता दिखा, जिसमें पार्षद राउंड टेबल के चारों ओर खड़े होकर शपथ लेते नजर आए कि वे भ्रष्टाचार की कमाई के बंटवारे में ईमानदारी दिखाएंगे। इस घटना के बाद खासा बवाल मचा कि कैसे भ्रष्टाचार की कमाई के लिए भी बाकायदा सिंडिकेट रूप में काम किया जा रहा है। यह वाकया हमारे समाज में व्यवस्था की सड़न को तो दशार्ता ही है, साथ ही भ्रष्टाचारियों के दुस्साहस को भी सामने लाता है। यह घटना हमारी लोकतंत्र की छोटी इकाई में चुने गए नुमाइंदों के चरित्र, सोच और इरादों को तो दशार्ती है, समाज में जीवन मूल्यों के पराभव के बिंब भी उकेरती है। समाज को यह भी संदेश देती है कि हम छोटे-छोटे लालचों के लिये कैसे पार्षद चुनते हैं। जाति, धर्म व क्षेत्र तथा संकुचित आकांक्षाओं के लिये घटिया प्रतिनिधियों को स्थानीय निकायों में अपने हितों पर कुठाराघात के लिये चुनते हैं। यह तो भविष्य बताएगा कि आने वाले समय में इन पार्षदों के खिलाफ पार्टी विशेष की तरफ से क्या कार्रवाई होती है, लेकिन यह घटना भारतीय समाज में घर करते भ्रष्टाचार की एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को जरूर उजागर कर गयी। जब देश आजाद हुआ तो राजस्थान में एक विधायक ऐसा चुना गया, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण में शामिल होने का बस किराया भी नहीं था। बाद में लोगों ने चंदा एकत्र करके उस विधायक को जयपुर भेजा था। आज हमारी जनप्रतिनिधि संस्थाओं में सैकड़ों करोड़पति-अरबपति जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति समाज में आर्थिक विषमता की तसवीर उकेरती है। गाहे-बगाहे सामने आने वाले आंकड़े बताते हैं कि विधायक व सांसद बनने के बाद उनकी आय दिन दोगुनी-रात चौगुनी गति से बढ़ती है। अगले चुनाव में वे अपनी संपत्ति का जो दिखाई दे सकने वाला ब्योरा जारी करते हैं, उसमें यह समृद्धि स्पष्ट नजर आती है।

चिंतन-मनन

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यतः जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत, चित एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वतः समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो। अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञ-ासु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सोशल मीडिया पर बच्चों की सुरक्षा और मेटा की जवाबदेही

सुनील कुमार महला

सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रसार को लेकर केंद्र सरकार के कड़े रुख के बाद मेटा(अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी) का भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे मामलों की जानकारी देने पर सहमत होना स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन इसे मंजिल के बजाय एक लंबी लड़ाई की शुरूआत के रूप में देखा जाना चाहिए। आज का युग डिजिटल युग है और इस डिजिटल युग में डिजिटल दुनिया के बढ़ते खतरों से बच्चों को बचाने के लिए तकनीकी कंपनियों, सरकार और कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच जवाबदेही का स्पष्ट तंत्र बनाना अब जरूरी हो गया है। दरअसल, जुलाई 2026 में सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण एवं दुरुपयोग से जुड़ी सामग्री को बढ़ावा देने वाले कथित विज्ञापनों की रिपोर्ट सामने आने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा-फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप की मूल कंपनी के अधिकारियों को तलब किया तथा संबंधित विज्ञापनों और सामग्री को हटाने और यह स्पष्ट करने को कहा कि ऐसी सामग्री उसके मंच पर कैसे उपलब्ध हुई। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस संबंध में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए मेटा के अधिकारियों से जवाब मांगा और इसके वरिष्ठ अधिकारियों को तलब किया। इस पूरे घटनाक्रम की गंभीरता इसलिए और बढ़ जाती है, क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) ने आपत्तिजनक सामग्री तैयार करना पहले की तुलना में आसान बना दिया है। सरल शब्दों में कहें तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल ने जहां रचनात्मकता और तकनीकी क्षमताओं को नई ऊंचाई दी है, वहीं इसके दुरुपयोग से आपत्तिजनक और भ्रामक सामग्री तैयार करना भी पहले की तुलना में आसान हो गया है। वास्तव में, तकनीक का यह दुरुपयोग केवल सामग्री के प्रसार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे बच्चों को निशाना बनाने वाले नए तौर-तरीकों का खतरा भी बढ़ रहा है। ऐसे में सोशल मीडिया कंपनियों की जिम्मेदारी केवल ऐसी सामग्री को हटाने तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। वास्तव में, उन्हें ऐसी सामग्री तैयार करने, प्रसारित करने या उसके लिए उपयोगकताओं को आकर्षित करने वाले खातों और नेटवर्क की पहचान करने तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों को समय रहते आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी।

भारत सरकार ने इस मामले में स्पष्ट किया है कि भारत में काम करने वाले सोशल मीडिया मंचों को भारतीय कानूनों और नियामकीय व्यवस्था का पालन करना होगा। सरकार और मेटा के बीच हुई चचाओं में बाल यौन शोषण सामग्री चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल-सीएसएएम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) से निर्मित आपत्तिजनक सामग्री, डीपफेक, सामग्री की निगरानी, एल्गोरिदम और मानवीय निगरानी जैसे मुद्दे प्रमुख रहे हैं। गौरतलब है कि 2026 में लागू और संशोधित नियामकीय व्यवस्था के तहत सोशल मीडिया मध्यस्थों पर अवैध और हानिकारक सामग्री के विरुद्ध अधिक कठोर दायित्व निर्धारित किए गए हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सरकार या सक्षम न्यायालय के निर्देश पर ऐसी सामग्री को हटाने की समय-सीमा भी घटाकर तीन घंटे की गई है। इतना ही नहीं, गैर-सहमति वाली निजी अथवा अंतरंग सामग्री के संबंध में भी कठोर समय-सीमा निर्धारित की गई है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत को क्या लाभ?

प्रहलाद सबनानी

दिनांक 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन दिल्ली के भारत मंडपम में सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। ब्रिक्स का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग बढ़ाना है। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के साथ ही 10 अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री एवं उच्च स्तर के अधिकारी शामिल हुए। वर्ष 2025-26 के लिए भारत को ब्रिक्स का अध्यक्ष बनाया गया था, अतः भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी एवं अध्यक्षता की। ब्रिक्स के माध्यम से विश्व की 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील देशों को एक मंच प्रदान किया जाता है। ब्रिक्स में शामिल देशों की कुल आबादी विश्व की कुल जनसंख्या का 49.5 प्रतिशत है और विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है तथा वैश्विक व्यापार में 26 प्रतिशत की भागीदारी है। इससे वैश्विक स्तर पर ब्रिक्स का महत्व स्वयं ही स्पष्ट हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय स्थिति, दूरसंचार, कृषि, श्रम, रोजगार, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, व्यापार और विश्व व्यापार संगठन सहित वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श करते है। इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की थीम ह्लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माणह्व रखी गई थी। शिखर सम्मेलन में 45 पन्नों एवं 140 बिंदुओं के ह्लनई दिल्ली घोषणापत्रह्व को समस्त सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था। इस सम्मेलन की यह सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि इस सम्मेलन में आपस में कुछ विरोधाभासी विचार रखने वाले देश (ईरान, साऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात) भी शामिल थे। ईरान के राष्ट्रपति एवं यूएई के राष्ट्रपति के बीच शिखर सम्मेलन के बीच आपस में वार्ता सम्पन्न हुई थी, जबकि दोनों देशों के बीच अमेरिका-ईरान युद्ध के संदर्भ में तनाव की स्थिति कायम है।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रिक्स की स्थापना अमेरिका में हुई है। वर्ष 2006 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौके पर ब्रिक विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में ब्रिक को औपचारिक रूप दिया गया था। ब्रिक का पहिला उद्घाटन शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था। वर्ष 2010 में न्यूयॉर्क में ब्रिक विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका को शामिल करने के साथ ब्रिक को ब्रिक्स में विस्तारित करने पर सहमति हुई थी। तदनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 2011 में सान्या में तीसरे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जनवरी 2024 से और इंडोनेशिया जनवरी 2025 में ब्रिकस के पूर्ण सदस्य बने। इसके बाद बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम 2025 में भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में शामिल हुए।

भारत के प्रधानमंत्री ने अपने उदबोधन में उक्त ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषयों की ओर समस्त सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले कई उत्पादों के निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाया था, इसी प्रकार चीन ने भी आवश्यक मिनरल के निर्यात पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे, इस प्रकार की स्थित पुनः न बनें इस हेतु यह सुझाव दिया गया है कि तकनीकी एवं आवश्यक मिनेरल्स को विभिन्न देशों द्वारा हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए इसका सीधा सीधा विपरीत प्रभाव विकासशील देशों के विकास पर पड़ता है। जब हम वैश्विक स्तर पर एक परिवार की बात करते हैं तो प्राकृतिक संसाधनों पर इस धरा पर निवासरत पूरी मानवजाति का समान अधिकार है। इसके उपयोग को कुछ देशों द्वारा रोका नहीं जाना चाहिए। भारतीय सनातन संस्कृति में तो प्रकृति को मां के समान माना जाता है, अतः प्रकृति का शोषण नहीं बल्कि आवश्यकता अनुसार दोहन होना चाहिए। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन भी आवश्यक है। विकास और पर्यावरण एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं केवल आवश्यता है कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाय। हाल ही के समय में महामारी, जलवायु आपदाओं एवं सप्लाई चैन में रुकावटों ने दिखाया है कि विभिन्न देश एक दूसरे पर किस प्रकार निर्भर है। एक देश में आया संकट दूसरे देश को भी प्रभावित करता हुआ दिखाई दे रहा है। ब्रिक्स के सदस्य देशों को आपस में सहयोग बढ़ाने तथा सप्लाई चैन को मजबूती प्रदान करने की ओर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच आपस में छोटे कारोबारों को बढ़ावा दिए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए और उन्हें नए बाजार और पर्याप्त वित्त की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के प्रयास भी होने चाहिए ताकि रोजगार के नए अवसर निर्मित हों और अंतिम पंक्ति पर खड़े नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सके। इसके लिए ह्लब्रिक्स कनेक्टह्व के माध्यम से गरीब नागरिकों को काम के लिए आवश्यक कौशल सीखने, रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं मातृशक्ति को अधिक काम के मौके देने का प्रयास किया जाना चाहिए। छोटे कारोबारियों को मदद पहुंचाने के उद्देश्य से इफ्फ्ब्र टरटए पोर्टल प्रारम्भ किया गया है। इससे छोटे कारोबारी नए बाजारों से जुड़ सकेंगें। ब्रिक्स देशों में कार्य कर रहे स्टार्टअप्स को आपस में जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्युबेटर नेट्वर्क बनाया जा सकता है। इसी प्रकार, नए और बड़े स्तर के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड भी बनाया जा सकता है। ब्रिक्स देश आपस में कारोबार को सरल बनाने के उद्देश्य से स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं और अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल कम करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ साथ, अलग अलग देशों के ऑनलाइन डिजिटल पेमेंट सिस्टम को आपस में जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। इससे एक देश के नागरिकों को दूसरे देश के नागरिकों को राशि भेजना बहुत आसान होगा और अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता कम होगी।

ब्रिक्स स्थापना से भारत को विशेष लाभ हुआ है। सामरिक दृष्टि से भारत का वैश्विक स्तर पर महत्व बढ़ा है। भारत आज न केवल ब्रिक्स बल्कि जी-20, जी-7, क्वाड, एससीओ जैसे वैश्विक संस्थानों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है एवं अन्य देश आंज भारत की आवाज को गम्भीरता से सुन रहे हैं। विभिन्न देशों के नागरिक आज सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपनाने हेतु लालायित हैं क्योंकि इस संदर्भ में भारत के व्यवहार से ये देश अत्यधिक प्रभावित हैं। साथ ही, भारत को कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी होने जा रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश बढ़ने की सम्भावना बनी है। ब्रिक्स के 21 सदस्य देशों के बीच आपसी समझदारी बढ़ी है और इससे इन देशों के बीच आर्थिक साझेदारी भी बढ़ेगी। आतंकवाद के खिलाफ मजबूत संदेश गया है कि भारत किसी भी कीमत पर आतंकवाद को पनपने नहीं देगा। नई दिल्ली घोषणापत्र में रूस एवं चीन सहित समस्त ब्रिक्स सदस्य देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा भी की है। इसमें यह भी कहा गया है कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्यवाही करनी चाहिए। साथ ही, आतंकियों तक पहुंचने वाली फंडिंग को रोकने और उन्हें सुरक्षित ठिकाने देने वालों पर भी कार्यवाही की जानी चाहिए। भारत आज ग्लोबल साउथ की आवाज बन रहा है। इस क्षेत्र के देश भारत पर भरोसा करने लगे हैं। इससे भारतीय रुपए की वैश्विक स्तर पर साख बढ़ सकती है क्योंकि ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूपीआई एवं रूपे कार्ड की स्वीकार्यता कई देशों में अब बढ़ रही है। आपस में स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने से भारतीय रुपए को मजबूती मिलेगी एवं इससे मंहगाई बढ़ने की गति कम होगी। ब्रिक्स ने वर्ष 2015 में डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) की स्थापना की थी। इस बैंक ने भारत को 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का ऋण प्रदान किया है।

श्री नरेन्द्र मोदी के सेवा व सुशासन के स्वंर्णिम 25 वर्ष

नये भारत के शिल्पकार श्री नरेन्द्र मोदी अपनी अनवरत जनसेवा व राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। यह यात्रा 7 अक्टूबर, 2001 को शुरू हुई थी, जब उन्होंने 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के सफल मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री के रूप में प्रथम बार शपथ ली। तब से लेकर आज तक उन्होंने जनसेवा से राष्ट्रसेवा के मंत्र को जी कर दिखाया है और उनकी इस यात्रा की गति न धीमी हुई और न रू?की, बल्कि कीर्तिमान स्थाउपित करते हुये सतत जारी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 सितम्बमर, 2026 को अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी उनके जन्म दिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्पन अभियान प्रारंभ करने जा रही है, जब उनके सुशासन के 25 वर्ष पूरे होंगे। 12 वर्ष 7 माह तक गुजरात के मुख्यमंत्री और कमोबेश इतनी ही अवधि के उनके प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल पर दृष्टिपात करें तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उन्होंने जनसेवा का कीर्तिमान और प्रतिमान रच दिया।

गुजरात के मेहसाणा जिले के एक छोटे से गांव बड़नगर से शुरू हुई उनकी जीवन यात्रा में आए तमाम उतार-चढ़ाव के बीच लगन, निष्ठान, परिश्रम, त्या ग, दृढ़ इच्छोशक्ति और राष्ट्रकप्रेम के चलते वे भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष बन चुके हैं। वे आज सिर्फ भारत के प्रधानमंत्री के रूप में ही नहीं जाने-पहचाने जाते, वरन आज वे विश्वन के अग्रणी शीर्ष नेताओं में शुमार हो चुके हैं। श्री नरेन्द्र मोदी को 36 देशों ने अपने सर्वोच्चम सम्माशन से विभूषित किया है। वे ऐसे तपे-तपाए जननेता हैं, जिनमें कुंदन की कठोरता भी है और चंदन की शीतलता भी विद्यमान है। उनके चिंतन में राष्ट्र, राष्ट्रेबोध एवं राष्ट्रीहित सर्वोपरि है और इसी उदात्त भावना से ओतप्रोत होकर उन्हो्ंने किशोरावस्थाी में अपना घर-द्वार छोड़कर जनसेवा की ओर जो कदम बढ़ाए, वे आज तक नहीं रुके।

उन्होंवने दशकों से लंबित फैसलों को पूरा किया - चाहे धारा 370 की समाप्ति हो, भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण हो या सीमाओं की अभेद्य सुरक्षा हो। विज्ञान के क्षेत्र में चंद्रयान-3 की सफलता से लेकर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनके हर कदम ने भारत को सशक्त बनाया है। स्वच्छ भारत से जल जीवन मिशन तक, उज्जसवला योजना से आयुष्मान भारत तक, किसान सम्मान निधि से लखपति दीदियों की आत्मनिर्भरता तक - हर योजना का एक ही ध्येय रहा है कि सबका जीवन बेहतर हो, भारत समर्थ बने। ये 25 वर्ष सिर्फ सत्ता के नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के विश्वास और एक दूरदर्शी नेता के तप, त्याग और नेतृत्व की गाथा है।

प्रधानमंत्री के रूप में विगत लगभग साढ़े बारह वर्षों के दौरान मोदी जी ने भारत को आत्मतनिर्भर बनाने के लिए उन कार्ययोजनाओं को अमली जामा पहनाया, जिसका भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में वादा किया गया था। चाहे वह सामाजिक-आर्थिक बदलाव हों, चाहे प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक धरोहरों आदि का संरक्षण हो या फिर देश के किसानों के कल्याण के लिए कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था हो, सब पर विशेष ध्यान दिया गया। मोदी जी के मार्गदर्शन में युवाओं में नवाचार और आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने के लिए स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और डिजिटल स्किल इंडिया जैसी योजनाओं का सूत्रपात हुआ है।

श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में प्रगति की रफ्तार दिन-ब-दिन बढ़ती नजर आ रही है। आम आदमी के जीवन में खुशहाली आई, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के जीवन में सुधार आया, दुनिया में भारत के मान-सम्मान में वृद्धि हुई, पड़ोसी देश पाकिस्तान को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान मुंह की खानी पड़ी। श्री मोदी देश हित में इतने दृढ़प्रतिज्ञ हैं कि दुनिया की कोई ताकत आज तक उन्हें अपने सिद्धांतों से न तो डिगा सकी है और न ही झुका सकी है। उनका यह आत्मबल न सिर्फ करोड़ों भारतवासियों बल्कि विश्वु के दीगर मुल्कों में रहने वाले भारतवासियों को संबल प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारी जीडीपी वृद्धि दर भी 7.8% है। रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। देश विरोधियों और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति परिणाममूलक है।

प्रधानमंत्री ने सरकार की योजनाओं के केन्द्र बिन्दु में हमेशा ह्यआम आदमीह्व को रखा। इस सोच के साथ गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। मसलन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के करोड़ों परिवारों को पक्के घर दिए गये। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत लाखों शौचालयों का खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कराया गया। उज्जवला योजना के माध्यम से गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान कर उनके स्वामस्य्बे और गरिमा की रक्षा की गई। बेहतर स्वोस्य्् सुविधा के मद्देनजर आयुष्माचन भारत योजना शुरू की गई, जिससे लगभग 60 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्यर बीमा का सुरक्षा कवच मिला। जल जीवन मिशन से हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया जा रहा है। आधारभूत संरचना की बात की जाये तो प्रधानमंत्री ने इसे राष्ट्र की रीढ़ मानते हुए इसमें भारी निवेश किया। सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और डिजिटलीकरण में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिल रही है। ग्रामीण भारत में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में मेट्रो और स्मार्ट सिटी जैसी योजनाएं मूर्तरूप ले रही हैं। कर्मयोगी श्री नरेन्द्र मोदी ने अपना जीवन सर्वे भवन्तुर सुखिनः के भाव को चरितार्थ करते हुए राष्ट्र को समर्पित कर दिया है। वे सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वानस का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। मोदी जी के नेतृत्वी वाली केन्द्रग सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म। प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा 2 अक्टूबिर 2014 को स्वपच्छत भारत अभियान की शुरूआत की गई। पिछले साढ़े 12 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। साथ ही उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ो लोग लाभान्वित हुये हैं। प्रधानमंत्री जी ने गरीबों के सम्मीन, युवाओं के सामर्थ्यप, किसानों की समृद्धि व महिलाओं के सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण का विशेष आधार बनाया। श्री मोदी ने अपने विजन में अन्नदाता किसान को सदैव अपनी प्राथमिकता में रखा। उन्होंने किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए अनेक योजनाओं का प्रावधान किया। उनकी सोच बहुत स्पष्ट है कि कृषि आजीविका का साधन मात्र न रहे, बल्कि यह लाभ का व्यवसाय बने। फिलहाल किसानों के सम्मान स्वरूप उन्हें दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से सालाना 6 हजार रुपए की सीधी सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन बहुत साफ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकार्ड बढ़ोत्तरी की। पीएम फसल बीमा योजना एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवाई) से अन्न दाता लाभान्वित हो रहे हैं। मृदा स्वास्थ्य कार्ड, परम्परागत कृषि विकास योजनाओं जैसी जनहितैषी पहल से उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार हुआ है। श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में रेल नेटवर्क का व्यापक ऐतिहासिक उपलब्धि सहित विस्तार हो रहा है। महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। केन्द्् सरकार का लक्ष्यर तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से लगभग डेढ़ करोड़ लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ अभियान से बेटियों का आत्मदसम्माान बढ़ा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्वस वाली केन्द्् सरकार ने देश में लगभग 2 लाख से अधिक आयुष्माान आरोग्यल मंदिर खोले हैं। कोरोना काल में प्रधानमंत्री जी ने स्विदेशी वैक्सीरन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना संकल्पव विरासत का, संरक्षण भी और विकास भी के परिणाम स्वषरूप अयोध्यो में रामलला की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठै सम्पन्न? हुई। काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैरन में महाकाल लोक, केदारनाथ धाम का नवनिर्माण, बद्रीनाथ क्षेत्र का विकास, करतार साहब कॉरिडोर को खुलवाना, हेमकुण्डड साहब और गिरनार में रोपवे बनाना, नमामि गंगे योजना, तिरुवल्लीर में कल्चकरल सेन्टीर बनाना आदि उल्लेखनीय कार्यों से भारत आत्मैगौरव के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्वन में स्वीदेशी चिंतन आधुनिक देश की आर्थिक, सांस्कृषतिक और आध्याीत्मिक चिंतन का आधार बन रहा है। कुल मिलाकर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से भारत तरक्की के नये सोपान नापते हुए आगे बढ़ रहा है, साथ ही पूरी तरह सुरक्षित भी है। आज जिस बढ़ते भारत को भारतवासी देख रहे हैं, वह संकल्प से सिद्धि का सुफल है। यह गर्व का विषय है कि वाइब्रेंट गुजरात के विजन ने देश को निवेश का मॉडल दिया और ब्रिक्स 2026 के शिखर सम्मेलन ने भारत को विश्वगुरु के मंच पर प्रतिष्ठाापित किया। श्री नरेन्द्र मोदी की राष्ट्रशसेवा यात्रा पर विहंगम दृष्टिपात करें तो विकास से वैश्विक नेतृत्वन तक भारत के कदम आगे ही बढ़ते जा रहे हैं।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं)

दीपपुर में गन्ने के खेत में मिले शव की गुत्थी सुलझी, 15 हजार के लेन-देन में दोस्त की हत्या, 2 गिरफ्तार

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना हसनपुर क्षेत्र के ग्राम दीपपुर में गन्ने के खेत में अज्ञात शव मिलने से फैली सनसनी का पुलिस ने 48 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या में शामिल दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में थाना हसनपुर पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई की है। ज्ञात रहे कि 13 सितंबर को ग्राम दीपपुर में ईख के खेत में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। सूचना पर थाना हसनपुर पुलिस, फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वॉड टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। शव की पहचान मुकेश (35 वर्ष) पुत्र सुखराम निवासी ग्राम चक मढैया सतेड़ा, थाना हसनपुर के रूप में हुई। मृतक के पिता सुखराम पुत्र छोटेलाल की तहरीर पर थाना हसनपुर पर मु0अ0सं0 562/2026 धारा 103(1), 238, 324(4) बीएनएस के तहत अभियुक्त सुखवीर पुत्र लीलाधर व अज्ञात साथियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना में पता चला कि मृतक मुकेश ने आरोपी सुखवीर को कुछ माह पहले 15 हजार रुपये उधार दिए थे। रुपये वापस मांगने पर मुकेश द्वारा गाली-गलौज कर बेइज्जत किया जाता था। इसी रंजिश में सुखवीर ने अपने साथियों धर्मेन्द्र पुत्र जगदीश, प्रदीप उर्फ नन्हे पुत्र लीलाधर व ओमकार पुत्र डालचन्द के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। 12 सितंबर की रात आरोपियों ने मुकेश को शराब पिलाई, फिर उसकी हत्या कर दी। सबूत मिटाने के लिए शव के ऊपर उसकी ही मोटरसाइकिल डालकर आग लगा दी और अधजले शव को गन्ने के खेत में छिपा दिया। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर दो अभियुक्तों सुखवीर पुत्र लीलाधर निवासी चक मढैया सतेड़ा, ओमकार पुत्र डालचन्द निवासी सोहरका, थाना हसनपुर को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। फरार दो अन्य अभियुक्तों की तलाश जारी है।

थाना मण्डी धनौरा क्षेत्र में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत 08 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना

पुलिस द्वारा नागरिक सहभागिता का किया गया उत्साहवर्धन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मण्डी धनौरा क्षेत्र में ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत कुल 08 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना कराई गई। यह अभियान पुलिस अधीक्षक लाखन यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया एवं थाना प्रभारी मण्डी धनौरा सत्येन्द्र सरोहा के नेतृत्व में प्रभावी रूप से संचालित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा किसी भी संभावित आपराधिक घटना को घटित होने से पूर्व ही नियंत्रित करना है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा सकेगी, जिससे असामाजिक तत्वों द्वारा अपराध किए जाने की संभावना न्यूनतम होगी। ज्ञात रहे कि इससे पूर्व भी थाना मण्डी धनौरा पुलिस द्वारा हल्का 03 क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कैसरा मे स्थित शिव मन्दिर पर कुल 08 सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जा चुके हैं,

जो अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस सराहनीय पहल के लिए स्थानीय नागरिकों द्वारा पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने वाले नागरिकों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अंत में आमजन से अपील की गई कि कस्बों एवं ग्रामों के मुख्य चौराहों तथा आवागमन मार्गों पर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराएं, जिससे क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जा सके और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी की बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत आज मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार की अध्यक्षता एवं ब्लॉक प्रमुख अमरोहा गुरिंदर सिंह की उपस्थिति में जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं स्वच्छता संबंधी कार्यों की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने ब्लाक गंगेश्वरी में स्वच्छता किट का भुगतान न करने पर ए0डी0ओ0 (पंचायत) व सचिव के वेतन रोकने के निर्देश दिए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 में नवसृजित पात्र शौचालय विहीन परिवारों हेतु व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण के लक्ष्य, फेज-2 में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण हेतु पोर्टल पर ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों के सत्यापन की प्रगति तथा ग्राम पंचायतों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु निर्मित आरआरसी/एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों की क्रियाशीलता की समीक्षा की गई। इसके साथ ही जनपद के सभी राजस्व ग्रामों को ओडीएफ प्लस मॉडल ग्राम घोषित किए जाने की प्रगति, सामुदायिक शौचालयों के निर्माण एवं क्रियाशीलता, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों के निर्माण एवं संचालन तथा गोवर्धन परियोजना के अंतर्गत निर्मित बायोगैस प्लांट में उत्पादन एवं आय का विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में तरल कचरा प्रबंधन तथा 01 अप्रैल, 2026 से 31 अगस्त, 2026 तक किए गए व्यय की धनराशि के अनुमोदन पर भी चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायतों में निर्मित आरआरसी सेंटरों का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा स्वच्छता कार्यों के लिए उपलब्ध धनराशि का नियमानुसार एवं उचित उपयोग किया जाए। जिन ग्राम पंचायतों में आरआरसी सेंटर के निर्माण हेतु भूमि उपलब्ध नहीं है, वहां संबंधित उपजिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर भूमि चिन्हित करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने सामुदायिक शौचालयों की क्रियाशीलता की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी सामुदायिक शौचालयों की स्थिति का सत्यापन कराकर क्रियाशील एवं अक्रियाशील शौचालयों की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

साथ ही स्वच्छता किट के वितरण तथा अन्य स्वच्छता संबंधी गतिविधियों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), पंचायत सचिव एवं ग्राम प्रधान सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी की बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम 2026-27 के अंतर्गत मिलेट्स रेसिपी कार्यक्रम एवं न्यूट्री सीरियल तथा कृषि सूचना तंत्र का सुदृढ़ीकरण योजना 2026-27 के अंतर्गत एक दिवसीय एग्रो क्लाईमैटिक जोन स्तरीय किसान मेले का आयोजन अतरासी रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में किया गया। किसान मेले के साथ ही किसान दिवस का आयोजन भी जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया। किसान मेले में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उप कृषि निदेशक महेन्द्र पाल सिंह, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार एवं भूमि संरक्षण अधिकारी भगवत सरन सहित अन्य विभागों के समस्त जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में जनपद के लगभग 1200 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर किसान दिवस में जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में किसानों की समस्याओं की सुनवाई की गई। विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने अपनी समस्याओं एवं सुझावों से जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने एक-एक कर किसानों की शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसान दिवस का उद्देश्य किसानों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए तथा किसानों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाया जाए। उपस्थित अतिथियों द्वारा किसान मेले में लगाए गए सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। साथ ही मिलेट्स रेसिपी कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों द्वारा लगाए गए विभिन्न व्यंजनों का भी निरीक्षण किया गया। उपस्थित सभी कृषकों से श्रीअन्न को बढ़ावा देने तथा इसे अपने दैनिक भोजन में शामिल करने का अनुरोध किया गया। उनके द्वारा श्रीअन्न के दैनिक प्रयोग से होने वाले लाभों के बारे में भी कृषकों को जानकारी दी गई। मेले में कृषि विज्ञान केन्द्र से आए कृषि वैज्ञानिक ए0के0 मिश्रा, डॉ0 शीषपाल सिंह एवं डॉ0 अमित तोमर द्वारा कृषकों को खेती की नवीनतम तकनीकी, कीट रोग नियंत्रण एवं मिलेट्स की खेती की जानकारी प्रदान की गई। जिला कृषि अधिकारी, अमरोहा मनोज कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में सभी प्रकार के रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। सभी कृषक बंधु अपनी आवश्यकतानुसार उर्वरकों का क्रय कर सकते हैं। उप कृषि निदेशक महेन्द्र पाल सिंह द्वारा विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी कृषकों को प्रदान की गई। साथ ही अवगत कराया गया कि वर्तमान में रबी के बीजों की बुकिंग कृषि विभाग की वेबसाइट पर प्रारंभ हो चुकी है। सभी कृषक विभागीय वेबसाइट पर जाकर बीजों की बुकिंग कर सकते हैं। इसी प्रकार अन्य विभागों के अधिकारियों द्वारा भी अपनी-अपनी विभागीय योजनाओं की जानकारी उपस्थित कृषकों को प्रदान की गई।

किसान मेले में कृषि, उद्यान, गन्ना, मत्स्य, यूपी नेडा एवं वन विभाग सहित कृषि यंत्र विक्रेताओं, जैविक उत्पाद विक्रेताओं एवं जनपद के विभिन्न एफपीओ द्वारा कुल 20 स्टॉल लगाए गए। स्टॉलों में श्रीअन्न (मिलेट्स) के विभिन्न उत्पादों एवं व्यंजनों का भी प्रदर्शन किया गया। साथ ही उपस्थित सभी कृषकों को मिलेट्स व्यंजनों का भोजन कराया गया, जिससे अधिकाधिक कृषक अपने दैनिक आहार में मिलेट्स को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित हों तथा श्रीअन्न की बुवाई करें। अंत में उप कृषि निदेशक, अमरोहा द्वारा मुख्य अतिथि गुरेन्द्र सिंह ढिल्लों, ब्लॉक प्रमुख, अमरोहा एवं उपस्थित अन्य अधिकारियों सहित सभी उपस्थित कृषकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कृषि मेले के समापन की घोषणा की गई।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण को लेकर दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

अमरोहा (सब का सपना):- गांधी सभागार में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के संबंध में जनगणना से संबंधित जिलास्तरीय अधिकारी /चार्ज अधिकारी/ जनगणना सहायक व तकनीकी सहायकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण के प्रथम दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना के द्वितीय चरण के दौरान किए जाने वाले कार्यों जिम्मेदारियां तथा जनगणना संबंधी विवरणों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संकलित किए जाने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई । जनगणना 2027 के द्वितीय चरण में स्व-गणना की प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक संचालित की जाएगी। इसके उपरांत जनसंख्या गणना का कार्य 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक किया जाएगा । जनसंख्या गणना के दौरान छुटे हुए परिवारों अथवा आवश्यक संशोधनों के लिए रिविजनल राउंड 5 जनवरी से 9 जनवरी 2027 तक आयोजित किया जाएगा। जनगणना के लिए संदर्भ तिथि 5 जनवरी 2027 निर्धारित की गई है। द्वितीय चरण में प्रत्येक घर के सभी पारिवारिक सदस्यों का विवरण निर्धारित प्रपत्र में दर्ज किया जाएगा। प्रत्येक व्यक्ति के संबंध में विवरण एवं उप विवरण सहित कुल 67 बिंदुओं पर जानकारी एकत्रित की जाएगी । इसमें संबंधित व्यक्ति का नाम, आयु,पता, शिक्षा, रोजगार, निःशक्ता सहित अन्य आवश्यक व्यक्तिगत एवं पारिवारिक विवरण शामिल होंगे। प्रशिक्षण के दौरान निर्देशित किया गया कि जनगणना कार्य के दौरान प्रत्येक परिवार से आवश्यक जानकारी सावधानीपूर्वक एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप प्राप्त की जाए तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचने के लिए प्रत्येक विवरण का सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा। जनगणना के कार्य जनगणना के कार्य को समयबद्ध , पारदर्शी, व्यवस्थित ढंग से संपन्न करने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियां का गंभीरता पूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षक व्यास नंदन ने बताया कि प्रथम चरण में मकान सूचीकरण मकान की गणना का कार्य किया गया था

अब जनगणना 27 के द्वितीय चरण का कार्य कराया जाना है ,जिसके लिए प्रशिक्षण कराया जा रहा है इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह ने विभिन्न तहसीलों से आए उप जिला अधिकारी जनपद, जिलास्तरीय अधिकारी, चार्ज अधिकारी, तकनीकी सहायक, जनगणना सहायक आदि मौजूद रहे।

पशुपालकों के द्वार पहुंची मेरठ की पशु चिकित्सा विशेषज्ञ टीम

अमरोहा (सब का सपना):- गौवंश में लम्पी त्वचा रोग के बढ़ते खतरे तथा पशुओं में बांझपन की समस्या को देखते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा पशुपालन विभाग के सहयोग से विकास खण्ड अमरोहा के ग्राम मऊ मय चक में निशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त के मार्गदर्शन तथा इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के वित्तीय सहयोग से किया गया। उद्घाटन ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने सीवीओ डॉ. आभा दत्त तथा ग्राम प्रधान राजीव कुमार की उपस्थिति में गौ-पूजन कर किया। उन्होंने पशुपालकों को लम्पी त्वचा रोग के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए कहा कि समय पर टीकाकरण, पशुओं की स्वच्छता, तथा रोग के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान लम्पी त्वचा रोग की रोकथाम के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजीव सिंह ने कहा कि पशुपालकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए विश्वविद्यालय की पशु चिकित्सा विशेषज्ञ टीम निरंतर क्षेत्र में पहुंचकर सेवाएं प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि पशुओं की नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर उपचार से अनेक गंभीर समस्याओं की रोकथाम संभव है। परियोजना प्रभारी प्रो. अमित कुमार वर्मा ने बताया कि संक्रमित पशुओं में तेज बुखार के साथ शरीर पर गांठें उभर सकती हैं। गंभीर स्थिति में पैरों एवं शरीर के निचले हिस्से में सूजन आ सकती है, जिससे पशुओं को उठने-बैठने तथा चलने-फिरने में परेशानी होती है। उन्होंने पशुपालकों को पशुशाला में नियमित रूप से कीट नियंत्रण करने, तथा आवश्यकतानुसार नीम के पानी से पशुओं को नहलाने की सलाह दी। साथ ही प्रत्येक पशु को प्रतिदिन 50 ग्राम विटामिन एवं खनिज मिश्रण के साथ संतुलित आहार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। शिविर में डॉ. अफरोज, डॉ. शुभमदीप, डॉ. आशुतोष राय, डॉ. स्नेहा गुप्ता, डॉ. इशिता नौटियाल एवं डॉ. ईशान ने 200 से अधिक पशुओं की जांच एवं उपचार किया। शिविर का आयोजन उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. निलय चौधरी, डा बिजेंद्र सिंह जडेजा तथा डॉ रामवीर सिंह के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में जितेंद्र सिंह, सतेंद्र सिंह, नीतेश, ललित, मोहित, सोनू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपने पशुओं की स्वास्थ्य जांच एवं उपचार कराया। वर्तमान में लम्पी रोग के उपचार एवं रोकथाम हेतु पशुपालन विभाग द्वारा सीमित मानव संसाधन के उपरांत भी प्रतिदिन जनपद 12 से 13 कैंपस विभिन्न ग्रामों में आयोजित किए जा रहे हैं जिनके माध्यम से टीकाकरण, चिकित्सा, कृत्रिम गभार्धान तथा रोगों से बचाव हेतु जानकारी भी दी जा रही है।

आदमपुर थाना क्षेत्र में चोर सक्रिय, एक जगह कूमल काटा तो दूसरी जगह से समेट ले गए लाखों का सामान

बुखारीपुर में चोरों द्वारा लगाया गया कूमल

आदमपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा के थाना आदमपुर क्षेत्र में चोरों का आतंक फिर शुरू हो गया है, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। आपको बता दें कि थाना क्षेत्र के गांव बुखारीपुर में बीती रात चोरों ने बृजपाल गिरी के घर के पीछे कूमल काटकर चोरी करने का प्रयास किया, लेकिन परिवार के जाग जाने के कारण चोर मौके से भाग गए। परिजनों का आरोप है कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच करने के बजाय कटी हुई कूमल को बंद करा दिया, ताकि मामला दब जाए। वहीं दूसरी तरफ गांव चन्दन कोटा में भी चोरों ने एक घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित रिंकू वन उर्फ बब्लू पुत्र रामपाल के घर से अज्ञात चोर 50,000 रुपये की नगदी व करीब डेढ़ लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात समेत लगभग 2 लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए। चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों पर सख्त कार्रवाई करते हुए मामले में खुलासा करने की मांग की है।

जब इस पूरे मामले को लेकर थाना प्रभारी आदमपुर से फोन पर वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि बुखारीपुर में कोई भी कूमल नहीं लगा है किसी भी प्रकार का सामान चोरी नहीं गया है। वही चंदन कोटा के मामले में उन्होंने बताया कि मामला संदिग्ध लग रहा है जांच जारी है जल्द ही मुकदमा पंजीकृत कर खुलासा किया जाएगा।

सांपों को इंसानों से बचाने वाला खुद बना कोबरा का शिकार

जंगल में थैला खोलते ही कोबरा ने किया हमला, अस्पताल में 20 एंटी-वेनम इंजेक्शन लगने के बाद बची जान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के गांव ववैना निवासी जाबुल, जो लंबे समय से सांपों का रेस्क्यू कर लोगों को सुरक्षित रखने का काम करते हैं, मंगलवार शाम एक हादसे का शिकार हो गए। एक निजी लोहे के गोदाम में निकले कोबरा सांप का सुरक्षित रेस्क्यू करने के बाद जब वह उसे जंगल में छोड़ने पहुंचे, तभी सांप ने उन्हें डस लिया। हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल बहजोई के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उपचार कर उनकी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे जाबुल को सूचना मिली कि संभल-मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी लोहे के गोदाम में सांप निकल आया है। सूचना मिलते ही वह अपनी रेस्क्यू टीम के साथ मौके के लिए रवाना हुए और करीब 20 मिनट में गोदाम पहुंच गए। जांच के दौरान वहां एक खतरनाक कोबरा सांप दिखाई दिया। जाबुल ने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू करते हुए कोबरा को सुरक्षित पकड़कर एक थैले में रखा। रेस्क्यू के बाद जाबुल सांप को उसके प्राकृतिक वातावरण में छोड़ने के लिए जंगल की ओर चले गए। जंगल में पहुंचकर जैसे ही उन्होंने सांप को रिलीज करने के लिए थैला खोला, कोबरा ने अचानक उन पर हमला कर दिया और उन्हें डस लिया। घटना के बाद जाबुल ने घबराने के बजाय तत्काल उपचार कराने का फैसला किया और बहजोई के सरकारी अस्पताल पहुंचे। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने उनकी हालत को गंभीरता से लेते हुए तुरंत उपचार शुरू किया। उन्हें लगातार 20 एंटी-वेनम इंजेक्शन लगाए गए। चिकित्सकों की तत्परता और समय से मिले उपचार के चलते जाबुल की जान बच सकी। उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार बताया गया। जाबुल का कहना है कि वह लंबे समय से सांपों का रेस्क्यू कर रहे हैं। उनका उद्देश्य जहरीले सांपों को मारने के बजाय उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना है, ताकि सांप भी सुरक्षित रहें और लोगों की जान भी बचाई जा सके। वह अब तक कई स्थानों से सांपों का रेस्क्यू कर उन्हें जंगल में छोड़ चुके हैं।

हैरानी की बात ये रही कि जाबुल रोजाना सांपों को इंसानों से और इंसानों को सांपों से बचाते हैं, मंगलवार को वही एक कोबरा के हमले का शिकार हो गए। हालांकि समय रहते अस्पताल पहुंचने और चिकित्सकों द्वारा तत्काल एंटी-वेनम देने से उनकी जान बच गई। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जहरीले सांपों का रेस्क्यू करने के दौरान कितनी सावधानी और सुरक्षा की जरूरत होती है।

सुरेंद्र कुमार बिश्नोई बने भाजपा नीति मंच श्रम प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

नई जिम्मेदारी मिलने पर कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने जताया हर्ष, दी बधाई

बिजनौर (सब का सपना):- भाजपा नीति मंच श्रम प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बिश्नोई को संगठन के राष्ट्रीय कार्यालय की ओर से बिजनौर जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी कार्यशैली, व्यवहार, संगठन के प्रति समर्पण एवं श्रमिक हितों में किए जा रहे कार्यों को देखते हुए उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुरेंद्र कुमार बिश्नोई ने संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ किया है। उनके जिलाध्यक्ष बनाए जाने की सूचना पर संगठन से जुड़े कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों में हर्ष का माहौल है। कार्यकताओं ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में श्रम प्रकोष्ठ को जिले में और अधिक मजबूती मिलेगी तथा श्रमिकों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बिश्नोई ने नई जिम्मेदारी सौंपे जाने पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह संगठन की नीतियों एवं उद्देश्यों के अनुरूप पूरी निष्ठा से कार्य करते हुए संगठन को मजबूत करने तथा श्रमिक हितों के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

दर्दनाक सड़क हादसा ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आया युवक, मौत

पानी पीने के लिए नीचे उतरते समय हुआ हादसा, साथी ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर फरार

सनी सिंह फाइल फोटो

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर बहजोई कोतवाली क्षेत्र के इस्लामनगर चौराहे के पास मंगलवार रात करीब 10:30 बजे ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार उसके दोनों साथी वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। बदायूं जनपद के थाना दातागंज क्षेत्र के गांव सेला पुरैनी निवासी सनी सिंह पुत्र प्रेमपाल (24) मंगलवार रात दो अन्य लोगों के साथ ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर बबराला की ओर पाठकपुर गांव में किसी रिश्तेदार के यहां जा रहा था। बताया गया कि इस्लामनगर चौराहे के पास सनी सिंह पानी पीने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से नीचे उतरने लगा। इसी दौरान अचानक वह ट्रैक्टर-ट्रॉली के पहिए की चपेट में आ गया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होते ही ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार दोनों साथी वाहन को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। सूचना पर बहजोई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद सनी का शव गांव पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इसके बाद परिजनों ने गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया।

मृतक के बड़े भाई अरविंद ने बताया कि वे चार भाई थे। एक भाई की पिछले वर्ष मौत हो चुकी है, जबकि अब सनी की भी हादसे में जान चली गई। उन्होंने बताया कि सनी दिल्ली में रहकर काम करता था और रविवार को ही दिल्ली से गांव आया था। वह मंगलवार को किन लोगों के साथ और कहां गया था, इसकी जानकारी परिवार को नहीं थी।

बहजोई कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार मलिक ने बताया कि परिवार की ओर से अभी कोई प्रार्थना पत्र नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कौन हैं पीसीएस सत्यम मिश्र? जो बने काशी विश्वनाथ मंदिर के नए सीईओ, महाकुंभ में भी निभाई थी अहम जिम्मेदारी

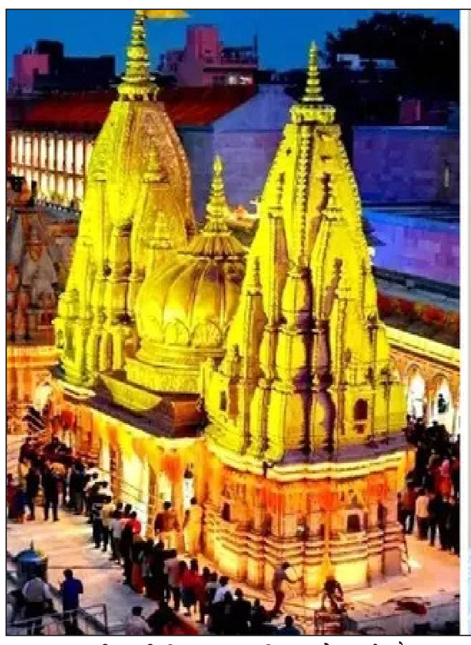

प्रयागराज। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर एवं विशिष्ट क्षेत्र विकास परिसर वाराणसी के सीईओ पद तैनात किए गए पीसीएस अधिकारी सत्यम मिश्र ने प्रयाराज में भी अहम जिम्मेदारी निभा चुके हैं। आइए जानते हैं उनका पूरा प्रोफाइल- महाकुंभ 2025 के शुभारंभ के लगभग एक हफ्ते पहले स्थानांतरित होकर प्रयागराज में एडीएम सिटी बनकर आए वरिष्ठ पीसीएस अधिकारी सत्यम कुमार मिश्र ने अहम जिम्मेदारी निभाई थी। उन्हें प्रोटोकाल का महत्वपूर्ण प्रभार दिया गया था। उन्होंने महाकुंभ के दौरान देश भर से आए लगभग एक लाख 27 हजार विशिष्ट अतिथियों के स्टेशन-एयरपोर्ट से मेला क्षेत्र में पहुंचवाने से लेकर वहां रुकने और फिर संगम स्नान कराने तक के सेवा कार्य की उन्होंने पूरी जिम्मेदारी उठाई। कौन हैं सत्यम मिश्र? हरदोई के मूल निवासी सत्यम मिश्र वर्ष 2015 बैच के पीसीएस अधिकारी हैं। प्रयागराज के पहले वह मुरादाबाद में एडीएम वित्त एवं राजस्व के पद पर थे। उनका स्थानांतरण वर्ष 2025 में सात जनवरी को प्रयागराज हुआ था। वह ऐसे मौके पर प्रयागराज भेजे गए थे कि ठीक छह दिन बाद 13 जनवरी से महाकुंभ का शुभारंभ होने वाला था। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर एवं विशिष्ट क्षेत्र विकास परिसर वाराणसी के सीईओ पद पर स्थानांतरित हुए सत्यम मिश्र कई जिलों में एसडीएम भी रह चके हैं। रामपुर में एसडीएम सदर पद पर रहते हुए उन्होंने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया था। व्यवहार कुशल अधिकारी के रूप में जाने वाले सत्यम मिश्र की पढ़ाई लखनऊ में हुई है। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्यम मिश्र को भी सम्मानित किया था। पीड़ित को पहले पहनाया नया कपड़ा फिर सुनी फरियाद एडीएम सिटी सत्यम मिश्र 21 जुलाई को कलेक्ट्रेट स्थित संगम सभागार में जनता दर्शन कार्यक्रम में थे। उसी समय सोरांव के भोपतपुर गांव के देवीलाल अपनी पत्नी और बेटियों के साथ पहुंचे। देवीलाल के पास न कोई प्रार्थना पत्र था और न ही कोई पैरवी करने वाला ही था। एडीएम सिटी ने देवीलाल को भीगा हुआ देखा तो पास बुलाया। उसकी व्यथा सुनकर फौरन नए कपड़े मंगवाए। देवीलाल को कपड़ा पहनाने के बाद शिकायत सुनीं। देवीलाल को परिवार के लोगों ने ही धान की नर्सरी लगाने के दौरान मारापीटा था।

पहचान बदलकर 12 साल से था फरार, बहजोई पुलिस ने किया गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने एसओजी टीम की मदद से 12 वर्षों से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को बुधवार को थाना क्षेत्र के ग्राम मऊकठेर से मच्छखेड़ा रोड पर मंदिर के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, बनवारी पुत्र शेर सिंह एक पुराने मुकदमे में वांछित एवं मफरूर चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक सम्भल की ओर से 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी पिछले करीब 12 वर्षों से गिरफ्तारी से बच रहा था। बताया गया कि आरोपी ने अपनी पहचान बदलकर चंडीगढ़ में बलजीत नाम से रहना शुरू कर दिया था। पुलिस टीम को उसकी मौजूदगी की जानकारी मिलने के बाद थाना बहजोई पुलिस ने एसओजी टीम के सहयोग से कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित मुकदमा थाना बहजोई में वर्ष 2014 में दर्ज हुआ था। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

आजाद समाज पार्टी ने जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- आजाद समाज पार्टी कांशीराम के जिला अध्यक्ष शहजाद खान ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में जनपद गोंडा और अयोध्या की हत्याओं बाराबंकी में सांसद चन्द्र शेखर आजाद के काफिले पर हुए हमले पंचायत सहायकों की मांगों 68500 शिक्षक भर्ती के आरक्षण तथा धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों का जिक्र किया गया। जनपद गोंडा में विनोद साहनी और रमेश कौशी तथा जनपद अयोध्या में राम लगन मौर्य की हत्या के बाद पीड़ित परिवारों से मिलने जा रहे आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद एडवोकेट चन्द्र शेखर आजाद के काफिले को 13 सितंबर को बाराबंकी के थाना रामनगर क्षेत्र बुढ़वल में रोका गया। इसके बाद काफिले पर पथराव और हिंसक हमला हुआ। इसमें कई कार्यकताओं को चोटें आईं तथा वाहनों को नुकसान पहुंचा। पार्टी ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित किया जाए। मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच कर लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

चन्द्र शेखर आजाद की सुरक्षा को देखते हुए उनका तत्काल थ्रेट असेसमेंट कराया जाए। आवश्यकता के अनुसार उनकी सुरक्षा बढ़ाई जाए। उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों और दौरों में पर्याप्त सुरक्षा एस्कॉर्ट और रूट सिक्योरिटी सुनिश्चित की जाए। उनके विरुद्ध जारी धमकीपूर्ण संदेशों की जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

लखनऊ के ईको गार्डन में अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे पंचायत सहायकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाए। उनकी जायज मांगों पर सरकार द्वारा सकारात्मक निर्णय लिया जाए।

परिवार परामर्श केंद्र में 38 पत्रावलियों की सुनवाई, चार परिवारों को मिलाया

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चंद्र त्रिपाठी के आदेश तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण मनोज रावत और क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के निर्देशन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चंदौसी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थाना प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक के दौरान पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को काउंसलरों के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित कराने का प्रयास किया गया। इस दौरान कुल 38 पत्रावलियों को सुना गया। इनमें से 10 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया, जबकि चार परिवारों को आपसी समझौते के बाद मिलाया गया। वहीं, दो पत्रावलियों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई।

इसके अलावा आवेदक द्वारा पैरवी न करने तथा अन्य कारणों के चलते चार पत्रावलियों को बंद किया गया। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोड़ा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, रेनू राठी, हेड कांस्टेबल रुचि सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दशलक्षण महापर्व के पहले दिन श्रद्धालुओं ने की क्षमा धर्म की आराधना

बहजोई/संभल(सब का सपना):- श्री दिगंबर जैन मंदिर बहजोई में बुधवार को पर्वराज दशलक्षण महापर्व का शुभारंभ धार्मिक उल्लास और भक्तिभाव के साथ हुआ। महापर्व के प्रथम दिन श्रद्धालुओं ने उत्तम क्षमा धर्म की आराधना की। प्रातः श्रीजी के अभिषेक, शांतिधारा और पूजन के बाद दशलक्षण महामंडल विधान विधि-विधान से संपन्न कराया गया। अभिषेक एवं शांतिधारा के पुण्यार्जक आलोक कुमार जैन रहे। महामंडल विधान के प्रथम दिवस सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य संभव जैन, शिखा जैन, आशा जैन एवं स्वाति जैन को मिला। कुबेर इंद्र का सौभाग्य मितेश जैन को प्राप्त हुआ। कलश स्थापना आकांक्षा जैन, वीना जैन, सजल जैन एवं प्राची जैन ने की। विधान स्थल पर शास्त्र विराजमान करने का सौभाग्य रंजना जैन और दीप प्रज्वलन का सौभाग्य अर्चना जैन को मिला। विधान के ध्वजारोहण एवं उद्घाटन का सौभाग्य विभोर जैन एवं रजनी जैन को प्राप्त हुआ। विधान का आयोजन मंडावरा, मध्य प्रदेश से आए विद्वान चंद्रकुमार जैन शास्त्री के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने उत्तम क्षमा धर्म की महत्ता बताते हुए कहा कि क्षमा आत्मशुद्धि का मार्ग है। क्रोध, अहंकार और वैरभाव का त्याग कर सभी जीवों के प्रति मैत्री एवं क्षमा का भाव रखना ही धर्म की सच्ची साधना है। सायंकाल मंदिर में सामूहिक आरती, णमोकार पाठ एवं शास्त्र प्रवचन के बाद भजन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन जैन सभा के महामंत्री संभव जैन ने किया।

इस दौरान जैन सभा के संरक्षक राजेंद्र जैन, अध्यक्ष सुनील कुमार जैन, उपाध्यक्ष संजय कुमार जैन, कोषाध्यक्ष मितेश जैन, महामंत्री संभव जैन, मनोज कुमार जैन, प्रेरक जैन, विभोर जैन, चंद्रप्रकाश जैन, राहुल जैन, अतिशय जैन, शुभम जैन, अरिहंत जैन, अग्रिम जैन सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु मौजूद रहे। दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत 25 सितंबर तक प्रतिदिन प्रातः महामंडल विधान तथा सायंकाल धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मिड डे मील में लापरवाही पर इंचार्ज शिक्षक निलंबित, सात विद्यालयों के शिक्षकों का वेतन रोका

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देश पर जिले के परिषदीय विद्यालयों में संचालित मिड डे मील योजना की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं की जांच का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 11 सितंबर को विकासखंड गुन्नौर के सभी 128 परिषदीय विद्यालयों में मिड डे मील योजना का औचक निरीक्षण कराया गया। तहसील गुन्नौर एवं बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण में भोजन के निर्धारित मीनू के अनुसार वितरण, फल और दूध की उपलब्धता, भोजन तैयार करने में इस्तेमाल सामग्री, बर्तनों की साफ-सफाई, खाद्यान्न भंडारण, रसोइयों की निर्धारित ड्रेस में उपस्थिति, पोषण वाटिका और रसोइयों के मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा कार्ड समेत विभिन्न व्यवस्थाओं की जांच की गई। निरीक्षण में ग्राम पंचायत मुड़ेना स्थित प्राथमिक विद्यालय की स्थिति अत्यंत खराब पाए जाने पर इंचार्ज अध्यापक खजनपाल सिंह को निलंबित कर दिया गया। वहीं सात विद्यालयों में व्यवस्थाएं असंतोषजनक मिलने पर संबंधित प्रधानाध्यापक/इंचार्ज अध्यापकों के वेतन आहरण पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी गई है। इन विद्यालयों में उच्च प्राथमिक विद्यालय मुड़ेना, कंपोजिट विद्यालय घुघैया, कंपोजिट विद्यालय पाठकपुर, प्राथमिक विद्यालय बाजपुर, प्राथमिक विद्यालय जड़वार, उच्च प्राथमिक विद्यालय गंगावास और प्राथमिक विद्यालय गुन्नौर अब्दुलहई शामिल हैं। संबंधित शिक्षकों को तीन दिन के भीतर साक्ष्य सहित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्यालयों में बच्चों को निर्धारित मीनू और मानकों के अनुसार पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन, फल और शुद्ध दूध नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाए। मिड डे मील योजना में लापरवाही या अनियमितता मिलने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अन्य विकासखंडों में भी जांच अभियान जारी रहेगा।

'सत्ता का घमंड...,' लुधियाना में आप विधायक ने ट्रक ड्राइवर को जड़ा थप्पड़, रवनीट बिट्टू ने सुनाया

लुधियाना। लुधियाना दक्षिण से आम आदमी पार्टी की विधायक राजिंदरपाल कौर छीना ट्रक चालक को थप्पड़ मारने के आरोप के बाद विवादों में घिर गई हैं। डाबा-लोहारा रोड पर विधायक की कार को साइड न देने पर आगे चल रहे एक ट्रक को रुकवाने और चालक को नीचे उतारने का वीडियो मंगलवार को इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ।
इसमें विधायक चालक से बहस करती नजर आ रही हैं। इसी दौरान उनका हाथ चालक की ओर जाता दिखाई देता है। चालक का आरोप है कि विधायक छीना ने उसे थप्पड़ मारा है। वहीं, विधायक ने दावा किया है कि उन्होंने ड्राइवर के हाथ से केवल चाबी छीनी थी। पूर्व केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और लुधियाना के पूर्व सांसद रवनीत बिट्टू ने कहा कि गरीब ट्रक ड्राइवर पर हाथ उठाना सत्ता के अहंकार का सुबूत है।वीडियो सामने आने के बाद ट्रक चालक और उसके साथियों ने ईशर नगर पुल पर धरना देकर ट्रैफिक जाम कर दिया। उन्होंने विधायक पर एफआईआर दर्ज करने

की मांग की। हालांकि, बाद में दोनों पक्षों की ओर से पुलिस में शिकायत नहीं दी गई। सोमवार को हुई घटना को लेकर डाबा थाना प्रभारी जतिंदर कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों में से किसी ने शिकायत नहीं दी है।मामले में ट्रैफिक बाधित करने पर ट्रक चालक का चालान काटा गया है। ट्रक चालक का कहना है कि उसे पता नहीं था कि उसके पीछे विधायक की गाड़ी आ रही है। उसका आरोप है कि विधायक ने गनमैन के साथ ट्रक रुकवाने के बाद गेट खोलकर उसे नीचे उतारा और उसके साथ अभद्रता करते हुए थप्पड़ मारा।
वहीं, विधायक राजिंदरपाल कौर छीना ने आरोप निराधार बताया और कहा कि उन्होंने चालक को थप्पड़ नहीं मारा। ट्रक चालक की ओर से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने और ट्रैफिक बाधित होने के कारण उन्होंने उसे रोका था। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया।
विपक्षी नेताओं ने की मामले की जांच की मांग विपक्षी दलों के नेताओं ने वीडियो को लेकर विधायक और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा है। लुधियाना के दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के इंचार्ज ईश्वरजोत सिंह चीमा ने भी घटना की निंदा की है। दूसरी ओर, विधायक समर्थकों ने आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि पूरे मामले को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट पर पंजाब सरकार का बड़ा फैसला, अकाल तख्त के आदेश पर बनाई 7 सदस्यीय कमेटी

चंडीगढ़। श्री अकाल तख्त साहिब के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पंजाब सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सरकार ने 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (शोध) एक्ट 2026' को सुचारू रूप से लागू करने और संबंधित विषयों पर बेहतर समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से एक उच्चस्तरीय 7 सदस्यीय तालमेल कमेटी का गठन कर दिया है। यह नवगठित तालमेल कमेटी मुख्य रूप से श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा पहले से गठित कमेटी के साथ निरंतर संपर्क और तालमेल बनाए रखेगी, ताकि धार्मिक मर्यादा और कानून व्यवस्था के बीच पूर्ण संतुलन बना रहे।कमेटी में रखे गए नाम पंजाब सरकार द्वारा जारी सूची के अनुसार, इस 7 सदस्यीय तालमेल कमेटी में धार्मिक, सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्रों के प्रतिष्ठित दिग्गजों को शामिल किया गया है। श्री अकाल तख्त साहिब के पूर्व जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह दमदमी टकसाल के मुखी संत ज्ञानी हरनाम सिंह खालसा रिटायर्ड जस्टिस जसपाल सिंह रिटायर्ड जस्टिस गुरबीर सिंह रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी एवं पंजाब लोक सेवा आयोग के चेयरमैन जतिंदर सिंह औलख वरिष्ठ कानून अधिकारी प्रीत इंदर पॉल सिंह यह कमेटी श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पावन मयार्दा, सत्कार और बेअदबी से जुड़े कानूनों को सख्त व प्रभावी बनाने की दिशा में अकाल तख्त साहिब के साथ मिलकर ऐतिहासिक भूमिका निभाएगी।

चंडीगढ़ के मेडिकल कैडर में पंजाब का हिस्सा घटने का दावा, आप ने केंद्र से ड्राफ्ट पर उठाया सवाल

चंडीगढ़। चंडीगढ़ हेल्थ सर्विस रूल्स-2026 के प्रस्तावित ड्राफ्ट को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब ने पंजाब के हिस्से को लेकर सवाल उठाए हैं। आप पंजाब के मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित नियम लागू होने पर चंडीगढ़ की मेडिकल पोस्ट में पंजाब का हिस्सा मौजूदा 60:40 व्यवस्था की तुलना में घटकर करीब 36 प्रतिशत रह जाएगा।
उन्होंने केंद्र सरकार से ड्राफ्ट की समीक्षा कर पंजाब के हिस्से को सुरक्षित रखने की मांग की है। पन्नू ने कहा कि पंजाब और हरियाणा के बीच चंडीगढ़ में हिस्सेदारी के लिए 60:40 का प्रबंध रहा है। प्रस्तावित नियमों में 40 प्रतिशत मेडिकल आफिसरों की भर्ती सीधे यूटी कैडर के तहत करने और शेष 60 प्रतिशत पद पंजाब व हरियाणा के बीच बांटने का प्रस्ताव है। उनके मुताबिक इससे पंजाब का हिस्सा करीब 36 प्रतिशत तक सिमट जाएगा।'अधिकारों से जुड़ा मुद्दा' पन्नू ने कहा कि यह केवल भर्ती नियमों में बदलाव का विषय नहीं

है, बल्कि चंडीगढ़ में पंजाब के हिस्से से जुड़ा मामला है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी है और पंजाब के पुनर्गठन के समय इसके लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं तय की गई थीं। ऐसे में किसी नए कैडर स्ट्रक्चर के जरिए पंजाब का हिस्सा कम नहीं किया जाना चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब के अधिकारों को धीरे-धीरे कमजोर किया जा रहा है। पन्नू ने पंजाब यूनिवर्सिटी से सिख सिलेबस हटाने का मुद्दा भी उठाया और कहा कि अब चंडीगढ़ के मेडिकल कैडर में प्रस्तावित बदलाव के जरिए पंजाब के हिस्से को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।भाजपा के पंजाब को लेकर रुख पर सवाल
आप नेता ने भाजपा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा पंजाब में सरकार बनाने और चुनाव लड़ने की बात करती है, लेकिन दूसरी ओर पंजाब के अधिकारों से जुड़े मुद्दे सामने आ रहे हैं। उन्होंने केंद्र से चंडीगढ़ हेल्थ सर्विस रूल्स-2026 के ड्राफ्ट की समीक्षा करने और पंजाब के हिस्से की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। पन्नू ने कहा कि पंजाब और हरियाणा के बीच 60:40 का मौजूदा प्रबंध सुरक्षित रहना चाहिए। अलग यूटी कैडर बनाने के प्रस्ताव से पंजाब का हिस्सा कम नहीं किया जाना चाहिए।

सफाईकर्मियों और कूड़ा बीनने वालों के बच्चों को मिलेगी स्कॉलरशिप, केंद्र का बड़ा फैसला, पंजाब सरकार से सत्यापन की

चंडीगढ़। सफाई कर्मचारियों और कूड़ा बीनने वालों के बच्चों की पढ़ाई को लेकर केंद्र सरकार के फैसले का भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला ने स्वागत किया है। उन्होंने पंजाब सरकार और शिक्षा विभाग से केंद्र की ओर से साझा किए गए पात्र विद्यार्थियों के विवरण का तत्काल सत्यापन कर सभी योग्य बच्चों की सूची तैयार करने और उनके छात्रवृत्ति आवेदन करवाने की मांग की है। सांपला ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का विस्तार सफाई कर्मचारियों और कूड़ा बीनने वालों के बच्चों तक करना महत्वपूर्ण कदम है। इससे ऐसे परिवारों के बच्चों को शिक्षा जारी रखने में आर्थिक मदद मिलेगी, जो लंबे समय से आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम (नमस्ते) के तहत सत्यापित सफाई कर्मचारियों और कूड़ा

बीनने वालों के बच्चों को प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की है। मंत्रालय की ओर से पात्र बच्चों का विवरण राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझा किया गया है, ताकि योग्य विद्यार्थियों तक योजना का लाभ पहुंचाया जा सके। सांपला ने पंजाब सरकार से कहा कि वह केंद्र से प्राप्त विवरण के आधार पर पात्र बच्चों की पहचान कर आवेदन की प्रक्रिया पूरी करवाए। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव या विभागीय प्रक्रिया में देरी के कारण कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित नहीं होना चाहिए।अब तक करीब 90 हजार सीवर और सेप्टिक टैंक कर्मचारियों तथा 2.5 लाख से अधिक कूड़ा बीनने वालों का सत्यापन किया जा चुका है। योजना के अगले चरण में ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों और नालियों की सफाई से जुड़े कर्मचारियों को भी शामिल किया जा रहा है।सांपला ने कहा कि शिक्षा अगली पीढ़ी के लिए बेहतर अवसर तैयार करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। सफाई कर्मचारियों के बच्चों की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता मिलने से उन्हें पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलेगी और परिवारों पर आर्थिक बोझ भी कम होगा।

नशा मुक्त पंजाब यात्रा पर चीमा का पलटवार, बोले-पहले मुंद्रा बंदरगाह संभालें, फिर पंजाब में यात्रा निकालें

चंडीगढ़। भाजपा की ओर से शुरू की जा रही नशा मुक्त पंजाब यात्रा को लेकर वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भाजपा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशे के खिलाफ यात्रा निकालने से पहले भाजपा को उन सवालों का जवाब देना चाहिए, जो नशे की तस्करी और सीमा पार से आने वाले ड्रग्स को लेकर उठते रहे हैं। चीमा ने विशेष रूप से गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से ड्रग्स की बड़ी बरामदगी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भाजपा को पहले मुंद्रा पोर्ट संभालना चाहिए, फिर पंजाब में यात्रा निकालनी चाहिए। चीमा ने आरोप लगाया कि 2007 से 2017 के अकाली-भाजपा शासन के दौरान पंजाब में 'चिट्टा' घर-घर चर्चा में आया था। उन्होंने सरकारी गाड़ियों से नशे की सप्लाई के आरोपों का भी जिक्र किया। उनका दावा है कि अकाली-भाजपा नेताओं के खिलाफ जांच शुरू करने वाले जालंधर के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अधिकारी का बाद में तबादला कर दिया गया था। बार्डर और मुंद्रा पोर्ट पर भाजपा से सवाल वित्त मंत्री ने कहा कि पंजाब में करीब 55 किलोमीटर का सीमा क्षेत्र केंद्र के अधीन आता है और सीमा पार से नशे की तस्करी रोकने में केंद्र की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने मुंद्रा पोर्ट से करीब 3,000 किलो ड्रग्स बरामद होने का मुद्दा उठाते हुए भाजपा से सवाल किया कि इस मामले में क्या कार्रवाई हुई।एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाने वाला पंजाब पहला राज्य चीमा ने कहा कि भगवंत मान सरकार ने नशे के खिलाफ 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान शुरू किया और राज्य स्तर पर एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाया। उनके अनुसार पंजाब देश का पहला राज्य है जिसने अपने स्तर पर ऐसा सिस्टम स्थापित किया है। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद पाकिस्तान से ड्रग्स की सप्लाई में करीब 80 प्रतिशत कमी आई है। पंजाब पुलिस दूसरे राज्यों में जाकर भी नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

पंजाब में फिर एक होंगे पुराने साथी! बीजेपी की 'चुप' और अकाली दल के 'मौन' से मिले नए गठबंधन के संकेत

फतेहगढ़ साहिब। पंजाब की राजनीति में एक बार फिर दो पुराने सहयोगियों के मिलने की सुगबुगाहट तेज हो गई है। सरहिंद में बीजेपी की मैराथन बैठकों के बाद उभरी रहस्यमयी चुप्पी और सुखबीर सिंह बादल के बदले हुए सुरों ने राज्य के सियासी समीकरणों को पूरी तरह गरमा दिया है। एक ही दिन, एक ही शहर और दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के रुख ने गठबंधन की अटकलों को फिर से हवा दे दी है। भारतीय जनता पार्टी 18 सितंबर से राज्य में 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' का आगाज करने जा रही है, जिसका दूसरा चरण 19 सितंबर को एतिहासिक और पवित्र गुरुद्वारा श्री ज्योति स्वरूप साहिब (फतेहगढ़ साहिब) से शुरू होगा। यात्रा का पहला चरण जहां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की अगुआई में शुरू हो रहा है, वहीं दूसरे चरण की कमान संभालने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पहुंच रही हैं और समापन गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में होना तय है।लेकिन, इस पूरे भव्य खाके के बीच असली सुगबुगाहट भाजपा की उस 'असामान्य गोपनीयता' को लेकर है, जो पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इस यात्रा के दूसरे चरण को लेकर बना रखी है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह महज एक रणनीतिक चुप्पी है, या फिर सरहिंद की सरजमीं पर भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के पुराने रिश्तों की जमी बर्फ पिघलने लगी है?वरिष्ठ नेताओं ने साधी मीडिया से चुप्पी
फतेहगढ़ साहिब की धरती पर इस दूसरे चरण की रूपरेखा तय करने के लिए रविवार और मंगलवार को पार्टी की दो मैराथन बैठकें हुईं। बैठकों का महत्व इसी बात से आंका जा सकता है कि रविवार को पंजाब भाजपा के संगठन मंत्री श्रीनिवासुलू ने कमान संभाली, तो मंगलवार को खुद प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, प्रदेश प्रभारी सतीश पूनिया और संगठन मंत्री श्रीनिवासुलू सरहिंद पहुंचे। लेकिन हैरान करने वाली बात यह रही कि पूरी सीनियर लीडरशिप ने मीडिया से दूरी बनाए रखी। न तो यात्रा की कोई विस्तृत कार्ययोजना सार्वजनिक की गई और न ही किसी वरिष्ठ नेता ने मीडिया के सामने आकर बात रखी। चुनावी सीजन की शुरूआत से ठीक पहले ऐसे व्यवहार को सामान्य नहीं आंका जा सकता।भाजपा की रणनीति पर सियासी सवाल बरकरार
राजनीतिक विश्लेषकों के बीच अब यह सवाल तेजी से कौंध रहा है कि आखिर इस विशाल आयोजन के दूसरे चरण को इस कदर 'गुप्त' रखने के पीछे क्या वजह हो सकती है? क्या यह भाजपा की किसी नई रणनीति का हिस्सा है, या फिर जिला भाजपा में उत्साह की कमी है, जिसे छिपाने की कोशिश की जा रही है? सियासी गलियारों में उठ रही चचाओं पर गौर करें तो इस पूरी चुप्पी के तार शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भाजपा के संभावित पुनर्मिलन की अटकलों से जोड़कर देखे जा रहे हैं। जब-जब अकाली दल और भाजपा का पुराना गठबंधन रहा है, तब-तब फतेहगढ़ साहिब जिले की तीनों विधानसभा सीटें अकाली दल के ही खाते में रही हैं। इस कहानी में सबसे बड़ा ट्विस्ट मंगलवार को देखने को मिला। जिस दिन पंजाब भाजपा के अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी और संगठन मंत्री सरहिंद में रणनीति गढ़ रहे थे, उसी दिन अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल भी 'पंजाब बचाओ रैली' के लिये यहां मौजूद थे। मंच से बोलते हुए सुखबीर बादल ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर तो तीखे शाब्दिक बाण चलाए, लेकिन भाजपा को लेकर पूरी तरह मौन साधे रखा।

पंजाब में पुराने वाहन खरीदना और बेचना हुआ आसान, अब आरसी ट्रांसफर के लिए जरूरी नहीं होगा ओटीपी

लुधियाना। पुराने वाहनों की खरीद-फरोख्त का कारोबार करने वाले डीलरों के लिए राहत की खबर है। राज्य परिवहन विभाग ने पुराने वाहनों की आरसी ट्रांसफर करने की प्रक्रिया को आसान कर दिया है। अब कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर, ट्रक समेत पुराने वाहनों की आरसी नए मालिक के नाम करवाने के लिए पुराने वाहन मालिक के मोबाइल नंबर और उस पर आने वाले ओटीपी की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। अब आधार कार्ड और निर्धारित दस्तावेजों के आधार पर पहचान संबंधी प्रक्रिया पूरी कर आरसी ट्रांसफर करवाई जा सकेगी। दरअसल, पिछले साल परिवहन विभाग ने पुराने वाहनों की आरसी ट्रांसफर करने के लिए दस्तावेजों में पुराने वाहन मालिक का मोबाइल नंबर

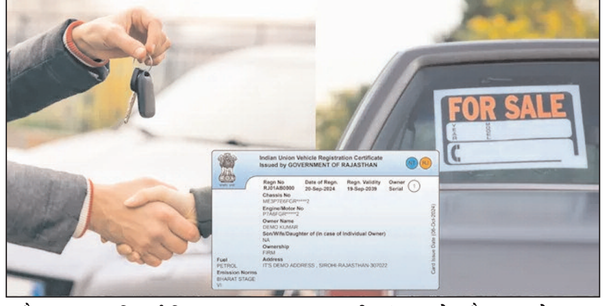

अटैच करना अनिवार्य किया था।
इसका उद्देश्य वाहन के वास्तविक मालिक की पहचान और दस्तावेजों की पुष्टि करना था, ताकि चोरी के वाहन या किसी अन्य विवाद की स्थिति में वाहन की जानकारी सत्यापित की जा सके। आरसी ट्रांसफर के दौरान पुराने वाहन मालिक के मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाता था।ओटीपी की बाध्यता हुई खत्म
ओटीपी की पुष्टि के बाद ही आगे की प्रक्रिया पूरी होती थी। वाहन डीलरों का कहना है कि मोबाइल ओटीपी की बाध्यता खत्म होने से पुराने वाहनों की खरीद-फरोख्त में तेजी आएगी।
खरीदार को वाहन खरीदने के बाद पुराने मालिक के मोबाइल पर ओटीपी आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इससे आरसी ट्रांसफर की प्रक्रिया भी पहले की तुलना में आसान होगी।
आरसी नए मालिक के नाम से ट्रांसफर करवाई जा सकेगी
कार डीलर शशिकांत और अनूप ने बताया कि अब यह निर्भरता खत्म होने से ग्राहकों को राहत मिलेगी। आरटीओ मनकंवल सिंह ने बताया कि अब वाहन के निर्धारित दस्तावेजों और आधार कार्ड से पहचान संबंधी प्रक्रिया पूरी कर आरसी नए मालिक के नाम ट्रांसफर करवाई जा सकेगी। इससे लोगों को सुविधा मिलेगी।

लुधियाना में ससुराल के तानों से परेशान महिला ने की आत्महत्या, मौत से पहले मां को भेजा 1:20 मिनट का Video

लुधियाना। लुधियाना में पति की कथित मारपीट और ससुराल पक्ष के लोगों के तानों से परेशान 30 वर्षीय महिला ने आत्महत्या कर ली। महिला ने मौत से पहले करीब एक मिनट 20 सेकेंड का वीडियो बनाकर अपनी मां को वाट्सएप पर भेजा था। वीडियो में वह रोते हुए अपनी परेशानी बता रही है और पति, ताई सास तथा उसकी बहू को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहरा रही है। महिला की मां ने वीडियो देखने के बाद बेटी से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतका की पहचान शमीना उर्फ शमा के रूप में हुई है। बताया गया है कि उसकी शादी करीब 11 वर्ष पहले लुधियाना के ऋषि नगर निवासी अजय मेहरा उर्फ अज्जू के साथ हुई थी। परिवार की ओर से आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद महिला को पति की मारपीट और ससुराल पक्ष के लोगों के कथित तानों का सामना करना पड़ रहा था।वीडियो में पति और दो महिलाओं पर आरोप पुलिस के अनुसार, महिला ने आत्महत्या से पहले बनाए गए वीडियो में अपनी मां से अपनी परेशानी साझा की। वह वीडियो में रोती हुई नजर आ रही है। उसने अपने पति अजय मेहरा, ताई सास सत्यो और उसकी बहू रिंपी को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार बताया है। परिजनों के मुताबिक, महिला ने वीडियो अपनी मां को वाट्सएप के माध्यम से भेजा था। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस मामले में इसे महत्वपूर्ण साक्ष्य के तौर पर देख रही है। पुलिस वीडियो की सामग्री और अन्य परिस्थितियों की जांच कर रही है। पति की सूचना के बाद पुलिस ने शुरू की जांच बताया जा रहा है कि महिला की मौत की सूचना उसके पति ने ही फोन कर ताई सास को दी थी। इसके बाद उसके मौके से फरार होने की बात सामने आई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मृतका की मां की शिकायत के आधार पर थाना टिब्बा पुलिस ने अजय मेहरा, सत्यो और रिंपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव पुलिस अब महिला द्वारा बनाए गए वीडियो, परिजनों के बयानों और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों के आधार पर जांच कर रही है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस की कार्रवाई के आधार पर मामले में आगे की स्थिति स्पष्ट होगी। फिलहाल, पुलिस ने नामजद आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और महिला की मौत से जुड़े घटनाक्रम की जांच जारी है।

हुक्का पार्टी, लग्जरी सेल... लुधियाना सेंट्रल जेल में पैसे का खेल, 11 कैदियों को दिया VIP ट्रीटमेंट; सीनियर अधिकारी सस्पेंड

लुधियाना। लुधियाना केंद्रीय जेल में जीएसटी के मामलों में बंद आरोपितों से पैसे लेकर दूसरे कैदियों से अलग रखने और विशेष सुविधाएं देने के आरोप में जेल के एडिशनल सुपरिंटेंडेंट बलवीर सिंह पर एफआइआर दर्ज की गई है। शिकायत एडीजीपी जेल तक पहुंचने के बाद हुई जांच में करीब 11 आरोपितों से कथित लेनदेन की बात सामने आई।
इसके बाद जेल विभाग ने बलवीर सिंह को सस्पेंड कर दिया। एफआइआर दर्ज होते ही अधिकारी फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में सरकारी आवास समेत संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।
थाना डिवीजन नंबर सात की पुलिस अब यह खंगाल रही है कि कथित तौर पर पैसे किससे लिए गए, कितनी रकम ली गई और उसके बदले जेल के नियमों को ताक पर रखकर कौन-कौन सी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।
11 जीएसटी आरोपियों के नाम सामने आए

प्राथमिक जांच में करीब 11 जीएसटी आरोपितों का नाम सामने आया है। आरोप है कि इन लोगों को सामान्य कैदियों से अलग रखा जाता था। उनके खाने-पीने की बेहतर व्यवस्था की जाती थी और अन्य विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती थीं।सूत्रों के मुताबिक, इस कथित खेल की शिकायत बाहर से नहीं बल्कि जेल के भीतर से ही उच्च अधिकारियों तक पहुंची। किसी अधिकारी या कर्मचारी ने उन आरोपितों की जानकारी जुटाकर शिकायत की, जिन्हें कथित तौर पर विशेष ट्रीटमेंट दिया जा रहा था।
जांच के दौरान करीब 11 आरोपितों से कथित लेनदेन की बात सामने आने के बाद कार्रवाई की।पहले भी आ चुके मामले
लुधियाना जेल में एक वार्डर को जेल में 60 ग्राम गांजा की तस्करी करने का प्रयास करते हुए पकड़े जाने के बाद निलंबित कर दिया गया था।
26 जून, 2021 को, जेल के अंदर कैदियों को हुक्का पीते हुए दिखाने वाले वीडियो फुटेज की जांच के बाद, एक सहायक जेल अधीक्षक, एक मुख्य वार्डर और एक वार्डर को निलंबित कर दिया गया, और सेल के प्रभारी एक अधिकारी का तबादला कर दिया गया।
जनवरी 2024 में, लुधियाना सेंट्रल जेल के 10 से 15 कैदियों ने अपनी बैरक के अंदर जन्मदिन की पार्टी आयोजित की, जिसका वीडियो रिकॉर्ड करके अपलोड किया गया और वह वायरल हो गया। जन्मदिन मनाने वाले इस व्यक्ति, विचाराधीन कैदी अरुण कुमार 'मणि राणा' पर 2019 के एक डकैती मामले में आरोप लगाया गया था। जांच में पता चला कि दो उप अधीक्षकों ने भी जेल में मोबाइल फोन और प्रतिबंधित सामान की तस्करी में मदद करने के लिए रिश्वत ली थी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

फाजिल्का में वर्कशॉप में लोहे की वस्तु में सुराख करते समय हुआ जोरदार धमाका, संचालक का हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त

फाजिल्का। फाजिल्का के मलोट चौक में एक वर्कशॉप में लोहे की वस्तु में सुराख करते समय अचानक जोरदार धमाका हो गया। हादसे में वर्कशॉप संचालक सतनाम सिंह का एक हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। धमाके के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उसे तुरंत फाजिल्का के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बठिंडा एम्स रेफर कर दिया सतनाम सिंह के चचेरे भाई सुखविंदर सिंह ने बताया कि सतनाम सिंह सदर थाना के नजदीक वर्कशॉप चलाता है। कुछ लोग उसे काम के लिए लोहे का सामान देकर गए थे। सतनाम उस सामान में सुराख कर रहा था कि अचानक जोरदार धमाका हो गया। धमाके की चपेट में आने से उसके एक हाथ का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सरकारी अस्पताल में तैनात डॉ. करन ने बताया कि सतनाम सिंह को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। उसके हाथ का एक हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ था।उसे प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए बठिंडा एम्स रेफर किया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वर्कशॉप में धमाका किस कारण हुआ। जिस लोहे की वस्तु में सुराख किया जा रहा था, उसमें क्या मौजूद था और धमाका किस वजह से हुआ, इसकी जानकारी जांच के बाद ही सामने आएगी।

पंजाब में साबुन से बनाई पीएम मोदी की मूर्ति, ढाई महीने रात-दिन एक करके तैयार की अनोखी कलाकृति

रामा मंडी/बठिंडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर रामा मंडी के कलाकार रामपाल बेहनीवाल ने अपनी कला के माध्यम से उन्हें अनोखे अंदाज में शुभकामना दी है।
उन्होंने साबुन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिमा तैयार की है। इस प्रतिमा को तैयार करने में कलाकार को करीब ढाई महीने का समय लगा।
रामपाल बेहनीवाल ने बताया कि साबुन पर नक्काशी करना बेहद चुनौतीपूर्ण काम है, क्योंकि हल्का सा अधिक दबाव पड़ने पर साबुन टूट जाता है और बनाई जा रही आकृति खराब हो सकती है।
इसी वजह से प्रतिमा तैयार करते समय उन्हें बेहद सावधानी और धैर्य के साथ काम करना पड़ा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे की बारीकियों को साबुन पर उकेरने के लिए लगातार कई दिनों तक मेहनत की।
बारीकी से उकेरी चेहरे की आकृति
कलाकार ने साबुन को तराशकर प्रधानमंत्री की प्रतिमा का स्वरूप तैयार किया। चेहरे की बनावट, बालों और अन्य बारीकियों को उकेरने में विशेष सावधानी बरती गई। रामपाल बेहनीवाल ने कहा कि वह विभिन्न वस्तुओं पर कलाकृतियां बनाने के लिए जाने जाते हैं और कुछ अलग करने के उद्देश्य से उन्होंने साबुन को माध्यम चुना।

रामा मंडी के कलाकार रामपाल बेहनीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर उन्हें अनोखे अंदाज में शुभकामना दी है।

उन्होंने बताया कि प्रतिमा तैयार करने का काम करीब ढाई महीने पहले शुरू किया था। इस दौरान प्रतिदिन कई घंटे इस कलाकृति पर काम किया गया। प्रतिमा पूरी होने के बाद इसे प्रधानमंत्री के जन्मदिन के मौके पर प्रदर्शित किया जाएगा।कला के माध्यम से दी शुभकामना
रामपाल बेहनीवाल ने कहा कि कलाकार के लिए उसकी कला ही अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम होती है। इसी सोच के साथ उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर साबुन से उनकी प्रतिमा बनाकर अपनी ओर से शुभकामना दी है। उनकी इस अनोखी कलाकृति को देखने के लिए स्थानीय लोगों में भी उत्सुकता दिखाई दी।

पाकिस्तान और दुबई से संचालित तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, अमृतसर में 27 किलो हेरोइन व विदेशी हथियार बरामद

अमृतसर। अमृतसर पुलिस की खुफिया शाखा ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने बुधवार सुबह एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए अंतरराष्ट्रीय नशा तस्करी नेटवर्क से जुड़े तीन तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 27 किलोग्राम हेरोइन की विशाल खेप और एक आधुनिक विदेशी पिस्तौल बरामद की गई है। इस पूरी कार्रवाई के बाद संबंधित थाने में एनडीपीएस अधिनियम और हथियार कानून के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों द्वारा की गई शुरूआती पूछताछ और जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।तीन सालों से हो रहा था कारोबार
पकड़े गए तीनों आरोपी आपस में गहरे दोस्त हैं और उन्होंने अपने आवास पर ही इलेक्ट्रॉनिक सामान की मरम्मत की दुकान खोल रखी थी। इसी दुकान की

आड़ में वे पिछले तीन वर्षों से लगातार अवैध रूप से नशे का कारोबार चला रहे थे। वे स्थानीय स्तर पर हेरोइन की आपूर्ति और वितरण का काम मुख्य रूप से संभालते थे।विदेश से आते थे निर्देश
गहन पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ है कि इन आरोपियों के तार खाड़ी देश में बैठे एक प्रमुख सरगना से सीधे जुड़े हुए हैं। वह विदेश में बैठकर पाकिस्तानी तस्करों के संपर्क में रहता है और वहीं से भारत में हेरोइन तथा अवैध हथियारों की खेप पहुंचाता है। पुलिस पूर्व में भी इस अंतरराष्ट्रीय गिरोह के कई गुर्गों को भारी मात्रा में नशे की सामग्री के साथ सलाखों के पीछे भेज चुकी है। फिलहाल पुलिस नेटवर्क से जुड़े अन्य सहयोगियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।

मोबाइल पर जीएसटी 5 प्रतिशतकरने की मांग

नई दिल्ली ।

मोबाइल फोन और उससे जुड़े कारोबार पर जीएसटी की दर घटाकर 5 फीसदी करने की मांग तेज हो गई है। मोबाइल उद्योग से जुड़े कारोबारियों और उपभोक्ता संगठनों का कहना है, मोबाइल अब विलासिता की वस्तु नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाओं तक पहुंचने का जरूरी माध्यम है। मौजूदा जीएसटी दर ज्यादा होने के कारण फोन की कीमत बढ़ती है। निम्न एवं मध्यम आय वर्ग के उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। उद्योग का तर्क है कि जीएसटी घटाने से मोबाइल की बिक्री बढ़ सकती है। डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, कर आधार भी बढ़ सकता है। कारोबारियों ने सरकार से आगामी जीएसटी परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव पर विचार करने की मांग की है।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में तेजी

टाटा केमिकल्स का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में मंगलवार को तेजी रही। टाटा केमिकल्स का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ गया। भारतीय रिजर्व बैंक के टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी का पंजीकरण वापस करने के आवेदन को खारिज करने की खबरों के बीच यह तेजी आई है। बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 प्रतिशत की तेजी आई। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन का शेयर 15.24 प्रतिशत, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 5.89 प्रतिशत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 5.47 प्रतिशत, टाटा एल्क्सी का 4.28 प्रतिशत, टाटा पावर का 3.41 प्रतिशत, टाटा कम्युनिकेशंस का 3.21 प्रतिशत, टाटा स्टील का 1.96 प्रतिशत और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का 1.72 प्रतिशत चढ़ा। सूत्रों ने शनिवार को बताया था कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में एनबीएफसी पंजीकरण वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया है। इससे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की राह खुल गई है।

सोना 115 रुपए गिरा, चांदी 461 रुपए टूटी

सोना 1,51,181 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,32,200 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

अमेरिकी में ब्याज दर बढ़ने की आशंका और बॉन्ड यील्ड में तेजी के कारण सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ गया है। मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना पांच सप्ताह के निचले स्तर के करीब आ गया, जिससे घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में कीमती धातुओं के भाव नरम पड़ गए। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर सोना 4,349.40 डॉलर प्रति औंस पर 2.50 डॉलर की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं, चांदी भी 64.01 डॉलर प्रति औंस पर 0.12 डॉलर नीचे लुढ़क गई। यह गिरावट वैश्विक निवेशकों के बीच बढ़ती चिंताओं का परिणाम है। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर भी शुरुआती कारोबार में सोने और चांदी के वायदा भाव नरम रहे। खबर लिखे जाने तक, सोने का अक्टूबर वायदा भाव 1,51,181 रुपए प्रति 10 ग्राम पर 49 रुपए की गिरावट दिखा रहा था, जबकि यह 115 रुपए की गिरावट के साथ खुला था। इसी तरह चांदी का दिसंबर वायदा भाव 2,32,200 रुपए प्रति किलोग्राम पर 490 रुपए की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहा था। चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 461 रुपए की गिरावट के साथ 2,31,569 रुपए पर खुला था। यह लगातार दबाव बताता है कि बाजार अमेरिकी आर्थिक नीतियों के संभावित प्रभावों को लेकर सतर्क है, जिससे सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली धातुओं की चमक फीकी पड़ रही है।

प्रणव कंस्ट्रक्शंस का शेयर 33 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड का शेयर अपने 124 रुपये के निर्गम मूल्य से 33 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 30.64 प्रतिशत की बढ़त के साथ 162 रुपये पर कारोबार शुरू किया। एनएसई पर यह 33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 165 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,520.97 करोड़ रुपये रहा।प्रणव कंस्ट्रक्शंस के 351 करोड़ रुपये के आईपीओ को पिछले सप्ताह बुधवार को बोली के अंतिम दिन 121 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ का मूल्य दायरा 118-124 रुपये प्रति शेयर था। प्रणव कंस्ट्रक्शंस लिमिटेड ने बड़े (एंकर) निवेशकों से 84.24 करोड़ रुपये जुटाए थे।

रूस प्रतिबंध विधेयक पर अमेरिकी संसद में घमासान!

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में 'लिंडसे ओ. ग्राहम एक्ट' पर संशोधन

नई दिल्ली ।

अमेरिकी कांग्रेस में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले एक महत्वपूर्ण विधेयक को लेकर घमासान मचा हुआ है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक में ऐसे संशोधन पेश किए गए हैं, जो भारत सहित रूस के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ लगाने या फिर इस प्रावधान को पूरी तरह हटाने की मांग करते हैं। यह विधेयक यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को मिलने वाली वित्तीय सहायता को बाधित करने का लक्ष्य रखता है, लेकिन इसके माध्यमिक प्रतिबंधों को लेकर गहरे मतभेद उभर आए हैं। लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट नामक यह विधेयक पिछले महीने अमेरिकी सीनेट से 86-11 के भारी बहुमत से पारित हो चुका है। इसका उद्देश्य रूस के नेतृत्व, ऊर्जा क्षेत्र और उसके शैडो फ्लीट पर प्रतिबंध लगाकर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के लिए मॉस्को को मिल रही आर्थिक मदद को रोकना है। विधेयक में अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल के प्रमुख खरीदार देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार देने का भी प्रस्ताव है, हालांकि सीनेट से पारित विधेयक में इन देशों के नाम स्पष्ट रूप से नहीं दिए गए थे। अब राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से पहले इसे प्रतिनिधि सभा से पारित होना है, जिसके पास 3 नवंबर के मध्यावधि चुनाव से पहले केवल चार कार्यदिवस बचे हैं। इसी बीच प्रतिनिधि सभा में दो मुख्य संशोधन चर्चा का विषय बने हुए हैं। डेमोक्रेटिक सांसद स्टेनी होयर ने एक संशोधन पेश किया है, जिसमें चीन, भारत, तुर्किये और यूएई सहित 10 देशों को उन व्यापारिक साझेदारों के रूप में स्पष्ट रूप से नामित करने का प्रस्ताव है, जिन पर प्रस्तावित 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जा सकता है। इसका अर्थ है कि रूस से तेल कारोबार करने वाले ये देश विधेयक में प्रस्तावित माध्यमिक टैरिफ के दायरे में आ जाएंगे। इसके विपरीत, डेमोक्रेटिक सांसद ग्रेगरी मीक्स ने एक अलग संशोधन पेश किया है, जिसमें राष्ट्रपति को अतिरिक्त टैरिफ लगाने का अधिकार देने वाले पूरे प्रावधान (धारा 113) को हटाने की मांग की गई है। मीक्स इस तरह के व्यापक माध्यमिक टैरिफ के मुखर विरोधी हैं और उन्हें तीन अन्य सांसदों का समर्थन भी मिला है। मीक्स ने एक अन्य संशोधन में राष्ट्रपति को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर 90 दिनों की प्रतिबंध छूट देने का अधिकार भी सुझाया है। यह द्वंद दिखाता है कि अमेरिका रूस को दंडित करने की अपनी रणनीति में सहयोगी देशों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर बंटा हुआ है।

'अमेजन नाउ' की भारत में सालाना बिक्री एक अरब डॉलर के पार

हर तिमाही में दोगुने हुए ऑर्डर, दिवाली तक 100 शहरों में विस्तार की योजना

नई दिल्ली ।

भारत में अमेज़न की त्वरित वाणिज्य सेवा अमेज़न नाउ ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी सालाना अनुमानित सकल बिक्री (एजीएमवी) को 1 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े तक पहुंचा दिया है। कंपनी के इतिहास में यह सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली ई-कॉमर्स इकाई बन गई है, जहां सेवा शुरू होने के बाद से हर तिमाही में इसके ऑर्डर दोगुने हो रहे हैं। अमेज़न इंडिया के एक अे धिकारी ने मंगलवार को इस सफलता की घोषणा करते हुए बताया कि अमेज़न नाउ की यह रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि पिछले तीन महीनों की बिक्री गति पर आधारित है। ग्राहकों की ज़बरदस्त प्रतिक्रिया से उत्साहित कंपनी अब दिवाली तक इस सेवा का विस्तार 100 शहरों तक करने की राह पर है। यह उसकी देशभर के 300 से अधिक शहरों तक पहुंचने की व्यापक योजना का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना ग्राहकों के बीच अमेज़न नाउ की बढ़ती लोकप्रियता और आवश्यकता को दर्शाता है। पिछले 10 हफ्तों से भी कम समय में, अमेज़न नाउ ने अपनी पहुंच को चार गुना से अधिक शहरों में बढ़ाया है, जिससे त्योहारों से पहले 60 से ज़्यादा शहरों और कस्बों में ग्राहकों को कुछ ही मिनटों में उत्पाद आपूर्ति की सुविधा मिल रही है। यह तीव्र विस्तार और रिकॉर्ड तोड़ बिक्री अमेज़न की भारतीय बाज़ार में त्वरित वाणिज्य की क्षमता पर भरोसे को मज़बूत करती है।

एयर इंडिया को मिला नया सीईओ, टेवोल्डे गेब्रेमरियम संभालेंगे कमान

निदेशक मंडल ने कैंपबेल विल्सन को दी विदाई

मुंबई ।

एयर इंडिया के निदेशक मंडल ने मंगलवार को मुंबई में हुई अपनी महत्वपूर्ण बैठक में कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के पद पर बदलाव को अंतिम रूप दे दिया है। इथियोपियन एयरलाइंस समूह के पूर्व प्रमुख टेवोल्डे गेब्रेमरियम इस महीने के अंत में औपचारिक रूप से यह पद संभालेंगे, जबकि वर्तमान सीईओ कैंपबेल विल्सन इस महीने अपने पद से हट जाएंगे। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की अध्यक्षता में हुई बैठक में नए सीईओ के वेतन ढांचे सहित विभिन्न रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। निदेशक मंडल ने जुलाई 2022 से एयरलाइन की महत्वाकांक्षी परिवर्तन योजना का सफल नेतृत्व करने के लिए विल्सन के योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया। टेवोल्डे गेब्रेमरियम विमानन उद्योग में लगभग चार दशकों का व्यापक अनुभव रखते हैं, जिसमें इथियोपियन एयरलाइंस समूह में 11 साल से अधिक समय तक सीईओ का पद संभालना शामिल है।

उन्हें एयर इंडिया के चल रहे कायापलट के लिए एक महत्वपूर्ण नियुक्ति माना जा रहा है। इस बीच, एयर इंडिया अपनी ग्राहक सेवा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए सेल्सफोर्स के एआई मंच का उपयोग बढ़ा रही है। इसमें ईमेल का स्वचालित समाधान, नाम बदलने की प्रक्रियाओं का सरलीकरण और ग्राहक सेवा टीमों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित ज्ञान सहायक शामिल हैं। कंपनी ने 140 से अधिक उद्यम प्रणालियों को जोड़ने वाला क्लाउड आधारित डिजिटल तंत्र विकसित किया है और 30 से अधिक एआई पहलें जारी हैं।

हिंदुस्तान जिंकः युवा इंजीनियरों की बदौलत बदल रहा भारतीय जिंक उद्योग का भविष्य

उदयपुर ।

इंजीनियर्स डे के मौके अवसर पर, विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक ने अपने युवा इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया है, जो भारत के मेटल और माइनिंग उद्योग को एक नई दिशा दे रहे हैं। कंपनी के कुल अधिकारियों में 57.8 प्रतिशत इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं, जिनमें से 76 प्रतिशत युवा पेशेवर कोर इंजीनियरिंग क्षेत्रों से जुड़े हैं। विशेष रूप से, लगभग 10 प्रतिशत नेतृत्वकर्ता 35 वर्ष से कम आयु के हैं। यह युवा पीढ़ी अपने तकनीकी ज्ञान, डिजिटल कौशल, नवाचार और सतत विकास की सोच के साथ उद्योग को अधिक आधुनिक, स्मार्ट और सुरक्षित बना रही है।पारंपरिक धारणाओं से परे जाकर, ये इंजीनियर केवल उद्योग का हिस्सा नहीं बन रहे बल्कि इसके भविष्य को भी आकार दे रहे हैं। हिंदुस्तान जिंक की अत्याधुनिक इकाइयों में रिमोट ब्लास्टिंग, टेली-रिमोट मशीन संचालन, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम और ऑटोमेटेड प्रक्रियाओं जैसी तकनीकों के माध्यम से, युवा इंजीनियर सुरक्षित व कुशल कार्यप्रणाली विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

कंपनी के कुल 2,685 अधिकारियों के कार्यबल में से 1,551 कर्मचारी इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं। महिला अधिकारियों की संख्या 20.5 प्रतिशत है, जो माइनिंग, मेटलर्जी, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और पर्यावरण इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। हिंदुस्तान जिंक युवा प्रतिभाओं को लगातार जोड़ रहा है, जिसके तहत वित्त वर्ष 2025-26 में 335

कैंपस हायरिंग की गई है। हिंदुस्तान जिंक के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक अमरेंदु प्रकाश ने कहा, आज के इंजीनियर तेजी से बदलते उद्योग में कदम रख रहे हैं। हिंदुस्तान जिंक में हम देख रहे हैं कि युवा इंजीनियर नई सोच और दृष्टिकोण के साथ जटिल चुनौतियों का समाधान खोज रहे हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें ऐसा वातावरण दें जहाँ उनकी जिज्ञासा और तकनीकी क्षमता नवाचार में बदल सके।कंपनी का 62 प्रतिशत से अधिक कार्यबल 35 वर्ष से कम आयु का है और इसमें लैंगिक विविधता अनुपात 26.3 प्रतिशत है। हिंदुस्तान जिंक एक ऐसा कार्यस्थल विकसित कर रहा है जहाँ युवा प्रतिभाओं को जिम्मेदारी, सीखने के अवसर और नवाचार की स्वतंत्रता मिलती है। डिजिटलाइजेशन के इस दौर में, कंपनी बड़े औद्योगिक वातावरण के भीतर स्टार्टअप जैसी कार्य संस्कृति को बढ़ावा दे रही है। अधिकारियों के अलावा, 423 से अधिक गैर-अधिकारी कर्मचारी भी इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं को मजबूत बनाते हैं, जो परिचालन की मजबूत नींव हैं।

एफसीएनआर (बी) जमा पर बैंकों को अतिरिक्त लागत, ब्याज हेजिंग से बढ़ेगा बोझ

आरबीआई द्वारा मूल राशि की ही हेजिंग से 15-20 आधार अंक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय बैंकों को विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा पर 15-20 आधार अंक की अतिरिक्त लागत झेलनी पड़ेगी। यह बढ़ोतरी जमाकर्ताओं को दिए जाने वाले ब्याज के हेजिंग के मद में होगी, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) केवल मूल जमा राशि की हेजिंग कर रहा है, ब्याज की नहीं। यह लागत जमाकर्ताओं को दिए जाने वाले ब्याज के अलावा होगी।

बैंक अधिकारियों के अनुसार, बैंकों को इन जमाओं पर डॉलर में ब्याज देना होता है, जिससे भविष्य में डॉलर की देनदारी बनती है। इस ब्याज वाले हिस्से की हेजिंग का खर्च बैंकों को खुद उठाना होगा, जो करेंसी फॉरवर्ड प्रीमियम और दोनों मुद्राओं के बीच ब्याज दरों के अंतर पर निर्भर करता है। आरबीआई की रियायती अदला-बदला व्यवस्था के तहत बैंकों ने एफसीएनआर (बी) जमा से 127 अरब डॉलर जुटाए थे, जो सुविधा 31 अगस्त को बंद हो गई है। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ बैंकर ने बताया कि ब्याज वाले हिस्से पर हेजिंग की लागत बैंकों को उठानी होगी।

निजी क्षेत्र के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि हेजिंग की लागत जोड़ने के बाद एफसीएनआर (बी) जमा की प्रभावी लागत लगभग 15-20 आधार अंक बढ़ जाएगी। उदाहरण के लिए, 6.5 फीसदी ब्याज दर प्रभावी रूप से 6.65 से 6.70 फीसदी हो जाएगी। हालांकि, बैंक अधिकारियों का मानना है कि 3-5 साल की इन जमाओं पर 6.5 से 7.0 फीसदी की तय लागत पर भी रकम जुटाना अभी भी फायदेमंद है।

बैंक भविष्य की डॉलर देनदारी के जोखिम को कम करने के लिए फॉरवर्ड जैसे विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, हालांकि आरबीआई के स्वैप के कारण प्रीमियम बढ़ गए हैं। अनुमान है कि ब्याज का हिस्सा 20 अरब डॉलर तक हो सकता है, जिसके प्रबंधन के लिए फॉरवर्ड अहम जरिया होंगे।

आरबीआई ने बाजार से खींची 3.93 लाख करोड़ की नकदी

अधिशेष तरलता को नियंत्रित करने और दरों को स्थिर करने की कवायद जारी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को एक परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के जरिए बैंकिंग प्रणाली से 3,93,352 करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी जुटाई। यह केंद्रीय बैंक की अधिशेष तरलता को सोखने और मुद्रा बाजार की रातोंरात दरों को रेपो दर के अनुरूप लाने की जारी कवायद का हिस्सा है। केंद्रीय बैंक ने 5 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले प्राप्त बोलियों को 5.24 प्रतिशत की कट-ऑफ दर पर स्वीकार किया। आरबीआई पिछले एक महीने से इस तरह की नीलामी कर रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बैंकिंग प्रणाली में अनुमानित 10.73 लाख करोड़ रुपये (11 सितंबर तक) की अतिरिक्त नकदी को प्रबंधित करना है। इस प्रयास के तहत, आरबीआई ने हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री के लिए खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) की भी घोषणा की है, जिसकी पहली नीलामी 17 सितंबर को होनी है। यह कदम बाजार में तरलता के स्तर को संतुलित करने के आरबीआई के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

कोटक-एचडीएफसी ने लॉन्च किए इंडेक्स फंड

म्युचुअल फंड में निवेश का नया द्वार, दोनों ओपन-एंडेड एनएफओ का लक्ष्य बाजार खंडों को ट्रैक करना

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड में निवेश की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए दो प्रमुख फंड हाउस, कोटक महिंद्रा म्युचुअल फंड और एचडीएफसी म्युचुअल फंड, ने हाल ही में अपने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च किए हैं। ये दोनों ही ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड हैं, लेकिन इनका निवेश फोकस अलग-अलग बाजार खंडों पर है - एक पूंजी बाजार से जुड़ी कंपनियों को ट्रैक करेगा, तो दूसरा रियल एस्टेट और आरईआईटी क्षेत्र पर केंद्रित है। कोटक निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स फंडः यह फंड कैपिटल मार्केट से जुड़ी कंपनियों वाले इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जिसका लक्ष्य लॉन्ग टर्म में पूंजी वृद्धि करना है। इसमें निवेशक न्यूनतम 1,000 रुपए (एकमुश्त) से निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि एसआईपी के लिए न्यूनतम 500 रुपए की दो किस्तें आवश्यक हैं। इस फंड में कोई एग्जिट लोड नहीं है। कोटक के इस एनएफओ में निवेश 15 सितंबर, 2026 से 29 सितंबर, 2026 तक किया जा सकता है। इसका बेंचमार्क निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स टीआरआई है। एचडीएफसी बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स फंडः यह फंड रियल एस्टेट और कमर्शियल रियल एस्टेट से जुड़ी कंपनियों के इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जिसका उद्देश्य भी लॉन्ग टर्म में पूंजी बढ़ाना है। इसमें न्यूनतम 100 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। इस एनएफओ में निवेश 15 सितंबर, 2026 से 17 सितंबर, 2026 तक किया जा सकेगा। इसमें आवंटन की तारीख से तीन महीने के भीतर यूनिट्स रिडीम करने पर 0.50 फीसदी का एग्जिट लोड लगेगा, जिसके बाद कोई शुल्क नहीं लगेगा। इसका बेंचमार्क बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स टीआरआई है।दोनों ही फंड पैसिव निवेश रणनीति अपनाएंगे और अपने-अपने बेंचमार्क इंडेक्स (कोटक के लिए निफ्टी कैपिटल मार्केट्स इंडेक्स टीआरआई और एचडीएफसी के लिए बीएसई आरईआईटीएस एंड कमर्शियल रियल एस्टेट इंडेक्स टीआरआई) में शामिल सिक्योरिटीज में अपनी कुल एसेट का 95 से 100 फीसदी हिस्सा निवेश करेंगे।

मेटा अब सीधे भारतीय एजेंसी को देगा डेटा

मजबूत सुरक्षा और जवाबदेही पर सरकार का जोर

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन बाल यौन शोषण (सीएसएएम) और अन्य हानिकारक सामग्री के खिलाफ सरकार की कड़ी सख्ती के बीच, सोशल मीडिया दिग्गज मेटा ने बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों की जानकारी सीधे भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) द्वारा संचालित साइबर अपराध मंच को देने पर सहमति जताई है।

यह कदम मेटा को भारत में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सीधे जानकारी देने की प्रतिबद्धता जताने वाली पहली बड़ी प्रौद्योगिकी मध्यस्थ कंपनी बनाता है। केंद्र सरकार लंबे समय से सोशल मीडिया मंचों पर मजबूत सुरक्षा उपाय और अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दे रही है। मेटा के प्रवक्ता ने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता बताया और अपराधियों की जवाबदेही तय करने के लिए सरकार के साथ काम करने की प्रतिबद्धता जताई। पहले मेटा यह जानकारी अमेरिका स्थित एक केंद्र को देता था, लेकिन अब यह व्यवस्था भारत केंद्रित होगी, जिससे त्वरित कार्रवाई में आसानी होगी। सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि भारत में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा मूलभूत सिद्धांत है, जिस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। सरकार उन मंचों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दे चुकी है जो नाबालिगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहते हैं। हाल ही में, सरकार ने सीएसएएम और डीपफेक जैसी सामग्री पर अंकुश लगाने के तरीके को लेकर मेटा को नोटिस जारी किया था और उनके वैश्विक अधिकारियों को तलब भी किया था।

यह मेटा की प्रतिबद्धता बच्चों के लिए मंचों को सुरक्षित बनाने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का कहना है कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है, और सभी मंचों से ऐसी हानिकारक सामग्री की सक्रिय रूप से पहचान कर उसे हटाने की अपेक्षा है। भारतीय कानून का पालन न करने पर सरकार कड़ी चेतावनी दे चुकी है।

कंपनियों ने बढ़ाए दाम, फिर शुरू हुआ छूट का खेल

कार में 1 लाख से लेकर 3 लाख तक की छूट

मुंबई ।

सितंबर में टाटा मोटर्स ने कारों की कीमतों में 25 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी की। मारुति सुजुकी ने भी चुनिंदा मॉडलों पर 20 हजार रुपये तक की कीमत बढ़ाने की घोषणा की। कंपनियों ने इसके पीछे बढ़ती उत्पादन लागत और महंगाई को कारण बताया। इसके बाद ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए छूट और एक्सचेंज ऑफर का सहारा लिया जा रहा है।

किस कंपनी के कितने लाभ?

टाटा मोटर्सः कर्व और नेक्सन सहित कई मॉडलों पर छूट और अन्य लाभ दिए जा रहे हैं। कर्व पर 1.25 लाख रुपये तक के लाभ की घोषणा की है।

महिंद्राः विभिन्न मॉडलों पर डीलर स्तर पर ऑफर उपलब्ध हैं। सभी मॉडलों के लिएअलग-अलग छूट दी गई है।

होंडाः एलिवेट पर 1.79 लाख रुपये तक और सिटी पर 1.30 लाख रुपये तक के लाभ उपलब्ध हैं। इनमें नकद छूट, एक्सचेंज बोनस और कॉरपोरेट लाभ को अलग-अलग शामिल किया गया है।

मारुति सुजुकीः विक्टोरिस के स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड मॉडल पर 1.35 लाख रुपये तक के लाभ की घोषणा की गई है। स्विफ्ट, वैगनार और अन्य कारों पर भी ऑफर हैं।

हुंडईः इसके विभिन्न मॉडलों पर डीलर और कंपनी की योजनाओं के अनुसार छूट मिल सकती है। वास्तविक राशि मॉडल, स्टॉक और स्थान पर निर्भर है।

डीलरों और ग्राहकों में छूट को लेकर तनातनी

ग्राहकों का आरोप है कि कंपनियां पहले कीमतें बढ़ाती हैं। बाद में बड़ी छूट का प्रचार करके खरीदारी का माहौल बनाती हैं। दूसरी ओर, डीलरों का कहना है, छूट में कंपनी का योगदान, एक्सचेंज बोनस, स्क्रैपेज लाभ और डीलर की अतिरिक्त रियायत अलग-अलग होती है। इसलिए विज्ञापन में बताई गई अधिकतम छूट हर ग्राहक को नकद रूप में नहीं मिलती है ।ऑटोमोबाइल क्षेत्र के जानकारों के अनुसार, पुराने स्टॉक को निकालना, नए मॉडल के लिए जगह बनाना और बिक्री बढ़ाना छूट योजनाओं के प्रमुख कारण हो सकते हैं। ग्राहकों को खरीदारी से पहले पुरानी और नई एक्स-शोरूम कीमत, बीमा, एक्सेसरीज तथा ऑन-रोड कीमत की लिखित जानकारी देना चाहिए। इससे वास्तविक बचत का पता चलेगा. भ्रामक छूट के दावों से बचा जा सकेगा। ग्राहकों के हितों को देखते हुए यह जरूरी भी है।

टाटा संस पर आईपीओ का दबाव, आरबीआई ने अर्जी ठुकराई

निजी से सार्वजनिक कंपनी बनने सहित कई कानूनी व ढांचागत तैयारी करनी होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा संस की प्रमुख निवेश कंपनी (सीआईसी) का दर्जा खत्म करने की अर्जी नामंजूर कर दी है। इस फैसले के बाद अब टाटा संस के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना लगभग अनिवार्य हो गया है, जिससे समूह पर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी तेज करने का दबाव बढ़ गया है। हालांकि, मौजूदा कानूनी और ढांचागत बाधाओं को देखते हुए यह राह आसान नहीं होगी। विशेषज्ञों के अनुसार टाटा संस को आईपीओ लाने से पहले कई महत्वपूर्ण कानूनी और ढांचागत तैयारियां करनी होंगी। 2017 में कंपनी एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बन गई थी, जिसके आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में शेयर हस्तांतरण पर ऐसी पाबंदियां हैं, जो सार्वजनिक सूचीबद्धता के नियमों के अनुकूल नहीं हैं। एक लॉयर्स ऐंड कंसल्टेंट्स के पार्टनर बताते हैं कि इन बुनियादी शर्तों को पूरा करने के लिए बोर्ड को विशेष प्रस्ताव पारित कर कंपनी को फिर से सार्वजनिक बनाना होगा और प्रतिबंधों वाले नियमों को हटाना होगा। सिंघानिया ऐंड कंपनी के रोहित जैन के मुताबिक, टाटा ट्रस्ट्स की नियंत्रक स्थिति और उससे जुड़ी शासन व्यवस्था की जांच डिस्क्लोजर और संबंधित पक्षकार लेनदेन के संदर्भ में जरूरी होगी। टाटा ट्रस्ट्स, जो टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़े शेयरधारक हैं, की नियंत्रण स्थिति को बनाए रखते हुए न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) की शर्त को पूरा करना एक चुनौती होगी। संभावना है कि नए शेयर जारी करने के बजाय मौजूदा शेयरधारकों द्वारा ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का रास्ता अपनाया जाएगा। शापूरजी पलोनजी समूह, जिसके पास लगभग 18.4 फीसदी हिस्सेदारी है और जो लंबे समय से सूचीबद्धता की मांग कर रहा है, ओएफएस के लिए एक स्वाभाविक दावेदार माना जा रहा है। इससे टाटा संस ट्रस्ट्स की पकड़ ढीली किए बिना नियमों का पालन कर सकेगा। टाटा संस की तात्कालिक प्राथमिकता आरबीआई से आईपीओ टाइमलाइन के बारे में स्पष्ट जानकारी लेना और एक विस्तृत रोडमैप तैयार करना होगी।

सिर्फ नमस्कार ही नहीं, पूजापाठ की ये क्रियाएं भी दूर करती हैं कई बीमारियां

हिंदू धर्म में पूजापाठ के बाद ईश्वर के सम्मुख हाथ जोड़कर यह प्रार्थना की जाती है कि हे भगवान हमें सुख समृद्धि के साथ अच्छी सेहत भी प्रदान करें। इतना ही नहीं भारतीय परंपरा में अपने से बड़ों और मेहमानों का अभिवादन भी हाथ जोड़कर नमस्कार करके किया जाता है। जब से कोरोना वायरस ने पांव पसारे हैं, तब से सारी दुनिया हाथ मिलाने की बजाए हाथ जोड़ने पर जोर दे रही है। यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप भी अपने मेहमानों का स्वागत हाथ जोड़कर कर रहे हैं, लेकिन हम आपको बता दें कि हिंदू धर्म में सिर्फ हाथ जोड़ना ही नहीं, बल्कि कुछ और भी ऐसी क्रियाएं हैं तो कई बीमारियों को दूर रखती हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में-

एक्यूप्रेशर का लाभ

हथेलियों में शरीर के अन्य अंगों की नसों के भी बिंदू होते हैं, जिन्हें एक्यूप्रेशर पाइंट कहा जाता है। ताली बजाने से इन बिंदुओं पर दबाव पड़ता है और इनसे संबंधित अंगों में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे वे बेहतर काम करने लगते हैं। ताली बजाना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

ऊं के उच्चारण से इन बीमारियों में लाभ

ऊं के उच्चारण से उत्पन्न होने वाली तरंगें दिमाग को शांत करने के साथ ही मन को सुकून पहुंचाती हैं। ओम का उच्चारण करने से गले में वाइब्रेशन होती है, जिससे थाइरॉयड प्रॉब्लम से बचा जा सकता है। ओम का उच्चारण करने से स्ट्रेस और घबराहट जैसी समस्या दूर होती हैं। रोज इस जाप को करने से लंग्स, बीपी, और ब्लड सर्कुलेशन इम्प्रूव होता है। इससे हार्ट भी हेल्दी रहता है।

आरती के वक्त ताली बजाने के लाभ

ईश्वर की पूजा करते हुए ताली बजाने का चलन है। भगवान की स्तुति, भक्ति, आरती आदि धर्म-कर्म करते हुए ताली बजाई जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इससे भगवान प्रसन्न होते हैं। विज्ञान के अनुसार ताली बजाना एक प्रकार का व्यायाम ही है, ताली बजाने से हमारे पूरे शरीर में खिंचाव होने लगता है और हमारे शरीर की मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं। कुछ ही देर में हमारे शरीर से पसीना आना शुरू हो जाता है और पूरे शरीर में एक अलग तरह की ऊर्जा पैदा हो जाती है।

घंटी बजाने से नष्ट होते हैं वायरस

विज्ञान कहता है कि घंटी बजाने से वातावरण में कंपन्न पैदा होती है। इससे आस-पास के माहौल में स्थित जीवाणु, विषाणु मर जाते हैं। जहां सुबह शाम मंदिर की घंटी बजाई जाती है, वहां का वातावरण शुद्ध रहता है। इस ध्वनि के पीछे सेहत से जुड़ा कारण है कि यह ध्वनि हमारे मन को शांत करने में मददगार होती है, जिससे मानसिक तनाव का स्तर घटता है। जब हम इस ध्वनि से उत्पन्न कंपन्न को शांत मन से महसूस करते हैं तो हमारा बीपी नियंत्रित होता है।

घर की ये मामूली सी दिखने वालीं वस्तुएं डालती हैं आपकी किस्मत पर बड़ा असर

वास्तु का घर की खुशहाली, परिवार की सेहत और धन संपन्नता से सीधा वास्ता है। वास्तु से जुड़ी छोटी-छोटी बातें घर पर अच्छा और बुरा प्रभाव डालती हैं। घर में इस्तेमाल में आने वाली कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिनकी अनदेखी घर में नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं। जिनसे घर में तनाव उत्पन्न होने लगता है। लोग बीमार पड़ने लगते हैं, पैसों की कमी हो जाती है। आइए जानते हैं कौन सी हैं ये वस्तुएं-

झाड़ू को ऐसे न रखें

घर में झाड़ू को मां लक्ष्मी का दर्जा दिया जाता है और इसका सीधा संबंध घर की आर्थिक स्थित से होता है। झाड़ू का अनादर करना, टूटी हुई झाड़ू को रखना और झाड़ू से पैर लगाना बहुत ही गलत प्रकार का व्यवहार माना जाता है। जो कि सीधे तौर पर वास्तु दोष को बताता है। झाड़ू को घर में ऐसे स्थान पर रखना चाहिए, जो सबकी नजरों से दूर रहे। सूर्यास्त के वक्त कभी भी घर में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए। ऐसा करने से दरिद्रता आती है।

कैंची रखें ऐसे

कैंची का संबंध राहु से माना जाता है और यह घर वालों के आपसी रिश्ते प्रभावित करती है। कभी भी खाली कैंची नहीं चलानी चाहिए। ऐसा करने से आपके रिश्तों में दरार पड़ सकती है। कैंची को सदैव कपड़े में लपेटकर किसी छिपे स्थान पर रखना चाहिए। अगर कोई पड़ोसी कैंची मांगने आता है तो उसे उधार न दे, ऐसा करने से उसके साथ संबंध खराब होते हैं।

चाकू से होता है ऐसा

चाकू घरों में अक्सर रसोई में ही रखा जाता है, किंतु ध्यान रखें कि चाकू हमेशा उल्टा करके रखें। उसके धार वाले हिस्से को नीचे की ओर रखें। इससे आप संतान पक्ष से खुश रहेंगे। ध्यान रखें कि घर में कभी भी ऐसे चाकू छुरी नहीं रखने चाहिए, जिनका आप इस्तेमाल न करते हों। ऐसा होने से आपके घर में दरिद्रता के साथ ही दांपत्य संबंधों में भी कड़वाहट आनी शुरू हो जाती है। घर में आपस में भी किसी के हाथ में चाकू सीधे नहीं पकड़ाना चाहिए।

घर के जूते चप्पल

घर में प्रयोग होने वाले जूते चप्पलों का प्रयोग सीधे शनि महाराज से ताल्लुक रखता है। ध्यान रखें, घर में कभी भी जूते-चप्पल इधर-उधर बिखेरकर नहीं रखना चाहिए। इससे आप शनि के कोपभाजन का शिकार भी हो सकते हैं। इतना ही नहीं बाहर से आते वक्त जूते सदैव घर के बाहर उतारकर घर में प्रवेश करना चाहिए, इससे बाहर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर ही रह जाती है, लेकिन ध्यान रखें कि कभी भी मुख्य द्वार के सामने जूते नहीं उतारने चाहिए।

पांवदान नहीं होना चाहिए ऐसा

घर के मुख्य द्वार पर पांवदान कभी भी गंदा नहीं होना चाहिए। उसे रोजाना झाड़ू लगाने के बाद झाड़कर वापस डाल देना चाहिए। उसके आस-पास कूड़ा बिल्कुल भी न जमा होने दें। रोजाना ईश्वर से अपने घर आगमन की प्रार्थना करनी चाहिए। पांवदान पर किसी तरीके स्वास्तिक या फिर अन्य कोई भी धर्म से जुड़ा चिह्न नहीं होना चाहिए।

वक्त रहते बदल दें अपनी ये आदतें, नहीं तो बना सकती हैं कंगाल

आदतें अच्छी या बुरी कैसे भी हो सकती हैं, लेकिन कुछ आदतें व्यक्ति के जीवन को इस कदर प्रभावित करती हैं कि वह हर समय तकलीफ और समस्याओं से ही जूझता रहता है। जी हां वास्तु शास्त्र में इसका उल्लेख मिलता है, लेकिन यह भी कहा गया है कि अगर समय रहते ही इन आदतों में सुधार कर लिया जाए तो ये लाइफ को खुशियों की तमाम सौगात भी दे सकती है। ऐसी ही कुछ आदतों का हम यहां जिक्र कर रहे हैं, यदि आप भी जाने-अंजाने ऐसा करते हैं तो कोशिश करें अपनी इन खराब आदतों को बदलने की, जिससे आपका जीवन खुशहाल हो जाएगा।

आप भी ऐसे तो नहीं करते बात

आपने अक्सर ही घर पर बड़े-बुजुर्गों को यह कहते सुना होगा कि शांति से बात करनी चाहिए। किसी से कभी भी चिल्लाकर बात नहीं करनी चाहिए, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जोर से या फिर चिल्लाकर किसी से भी बात करना क्यों गलत होता है? वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि ऐसा करने से शनि दोष का प्रभाव बढ़ता है। जीवन में सबकुछ उल्टा-पुल्टा होने लगता है। विरोधियों की संख्या बढ़ने लगती है। बेवजह की टेंशन बढ़ती है और काम भी बिगड़ने लगते हैं, लेकिन शांति और स्नेह से बात करने से शनि देव प्रसन्न होते हैं। यही नहीं अगर जीवन में कुछ परेशानियां भी हैं तो वह भी खत्म होने लगती हैं।

यह आदत तो बिल्कुल ही खराब है

आपने किताबों में पढ़ा होगा या फिर घर-परिवार में बड़े-बुजुर्गों से सुना होगा कि जल्दी सोना और जल्दी उठना सेहत के लिए अच्छा होता है, लेकिन आजकल देर से सोना और देर तक सोना एक अलग तरह का स्टेट्स सिंबल माना जाने लगा है। हालांकि कई बार लोग काम अधिक होने का भी तर्क देते हैं। जिसके चलते देर रात सोना होता और देर सुबह से उठना होता है, लेकिन वास्तु शास्त्र में इस आदत को पूरी तरह से गलत बताया गया है। कहा जाता है कि इससे व्यक्ति का स्ट्रेस बढ़ता है और मानसिक तकलीफें बढ़ती हैं। कई बार सेहत में भी लगातार गिरावट होने लगती है।

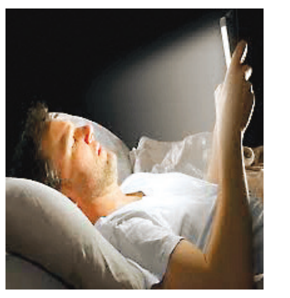

ऐसा करने से रूठ ही जाती हैं मां लक्ष्मी

आपने अक्सर ही ऐसे लोगों को देखा होगा जो अपने आस-पास देखे बिना कहीं भी थूक देते हैं। वास्तु शास्त्र में इस आदत को तुरंत ही बदल डालने के बारे में कहा गया है। इसके मुताबिक ऐसा करने वालों से मां लक्ष्मी हमेशा के लिए रूठ जाती हैं। इन्हें जीवन भर पैसों और मान-सम्मान की तंगी झेलनी पड़ती है। इससे कई बार डिप्रेशन तक का शिकार हो जाते हैं। वहीं कभी इन्हें किसी के चलते पैसा या मान-सम्मान मिल भी जाए तो वह इनकी इसी आदत के चलते ज्यादा देर तक नहीं ठहरता। इसलिए ऐसी आदत को जितनी जल्दी हो बदल देना ही उचित होता है।

इनका भूले से भी न करें अपमान

आपने यह तो सुना ही होगा कि अपने से बड़ों का हमेशा ही सम्मान करना चाहिए। धर्मशास्त्र भी यही कहते हैं। मान्यता है कि जिस घर में बड़े-बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है उनके जीवन में कभी भी किसी भी तरह की परेशानी नहीं आती, लेकिन अगर कोई बड़े-बुजुर्गों का अपमान करता है। उनके साथ ऊंची आवाज में बात करता है। या फिर उनका ख्याल नहीं रखता।

तो ऐसे लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि की कमी बनी ही रहती है। मां लक्ष्मी ऐसे लोगों पर कभी भी कृपा नहीं करतीं, लेकिन अगर आप बड़े-बुजुर्गों का सम्मान करते हैं, उनका ख्याल रखते हैं मां लक्ष्मी के साथ ही सभी देवी-देवताओं की कृपा बरसती है। जीवन में किसी भी बात की कोई कमी नहीं होती।

ऐसा करने से घटने लगता है मान-सम्मान

वास्तु शास्त्र में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा गया है। कहा जाता है जितनी सफाई रखी जाए मां लक्ष्मी उतनी ही मेहरबान होती हैं, लेकिन यह केवल घर या फिर कपड़ों की नहीं, बल्कि पैरों की भी होनी चाहिए। कहते हैं कि पैर जितने साफ रखें जाएं, किस्मत उतनी ही अच्छी होती है, लेकिन अधिकतर लोग अपने चेहरे का तो ख्याल रखते हैं, लेकिन पैरों पर ध्यान नहीं जाता। वास्तु के मुताबिक अगर किसी के पैर गंदे होते हैं तो उसके मान-सम्मान में कमी होती है। मानसिक तनाव भी बढ़ता है। साथ ही एक के बाद एक समस्या लगी ही रहती है।

दान पुण्य के ये कार्य बिगाड़ देंगे आपकी आर्थिक स्थिति

दान पुण्य के कार्यों के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी आय का कुछ हिस्सा अवश्य निकालना चाहिए। धार्मिक उपदेशों में अक्सर ऐसी बातें कही जाती हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि अनजाने में किया गया दान आपको पुण्य देने की बजाए कंगाल बना सकता है। ज्योतिष की मशहूर लाल किताब में दान से जुड़े कुछ ऐसे नियमों के बारे में बताया गया है, जिनको जानना हर व्यक्ति के लिए बहुत जरूरी है।

पीली वस्तुओं का दान: अगर आपकी कुंडली में सूर्य मजबूत स्थिति में है तो आपको भूलकर भी सोना, गेहूं और तांबे जैसी पीली वस्तुओं का दान नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपका बलशाली सूर्य कमजोर हो सकता है। इससे कार्यक्षेत्र में परेशानी, धन का अभाव और स्वास्थ्य की हानि हो सकती है।

चंद्रमा इस भाव में हो तो : अगर आपकी कुंडली में चंद्रमा द्वितीय और चतुर्थ भाव में हो तो आपको भूलकर भी दूध, चांदी, मोती या फिर चावल जैसी सफेद वस्तुओं का दान नहीं करना चाहिए। यहां तक कि दोस्तों और रिश्तेदारों को उपहार के रूप में भी नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से आपके घर में तंगी पांव पसार सकती है।

अगर मंगल हो मजबूत : अगर आपकी राशि में मंगल मजबूत स्थिति में है तो आपको भूलकर भी दान में मीठी चीजें, शहद या फिर लाल वस्तुएं नहीं देनी चाहिए। ऐसा करने से आपके ऊपर ही विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और आपके ग्रहदोष कम होने की बजाए आपकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

जिनका बुध मजबूत हो: जिन जातकों की कुंडली में बुध मजबूत स्थिति में हो उन्हें, किसी भी व्यक्ति को कलम या फिर पैन उपहार के रूप में भी नहीं देना चाहिए। यहां तक कि उस व्यक्ति को हरी दाल या फिर हरे वस्त्र भी किसी को नहीं देने चाहिए। ऐसा करने से बुध उनके ऊपर उल्टा प्रभाव छोड़ सकता है।

अगर बृहस्पति हो बलशाली: अगर आपकी राशि के लिए देवों के गुरु बृहस्पति बलशाली हों तो आपको किसी को भी अपने हाथ सोने की वस्तुएं उपहार में नहीं देनी चाहिए। पीले कपड़े और केसर की बनी चीजें भी किसी को भूल से न दें।

शुक्र के मजबूत होने पर: अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में शुक्र अच्छी स्थिति में है तो उसे किसी दूसरे को रेडिमेड कपड़े, परफ्यूम या फिर आभूषण नहीं देने चाहिए। ऐसा करने से उनके दांपत्य जीवन में परेशानियां आ सकती हैं और भौतिक सुविधाओं में कमी आ सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगाा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 4011

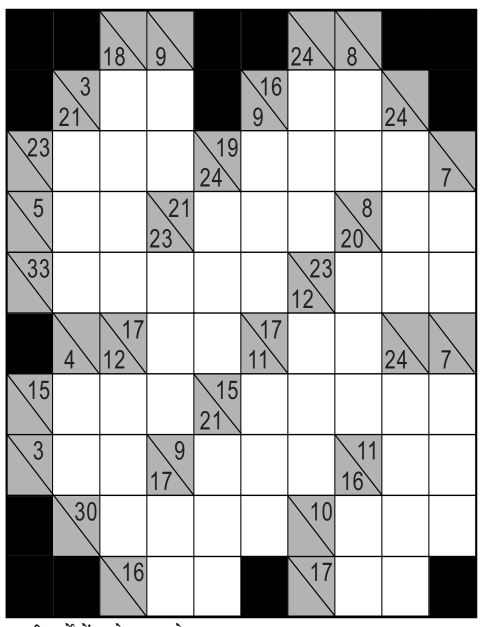

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

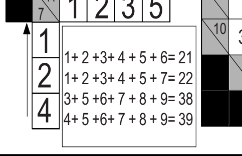

काकुरो - 4010 का हल

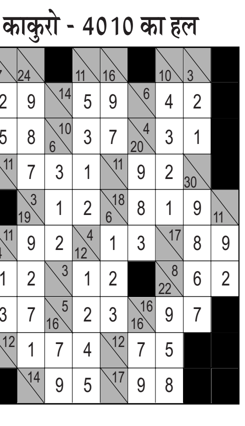

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूं.'

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था, यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा - 'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4011

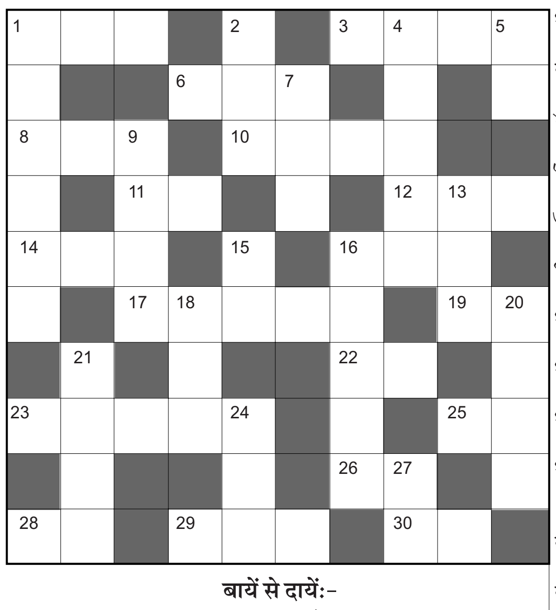

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4010

अ	नि	ता		रे	श	नी		धू	म
क्स		क	सौ	टी		ल	ज्जा		स्त
	अं	त		क	स	म		भा	
जो	श		कं	प	नी		आ	र	जू
रू		दि		ड़ा		जी	न	त	
का	ज	ल		औ	र	त			पा
गु		ज	रू	र	त		पा	ल	की
ला	ड़	ला		म	न		य		जा
म			शा	का		जा	ल		
	फ	र	दी	न	खा	न		फि	दा

सूडोकु -4011

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4010 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 4011

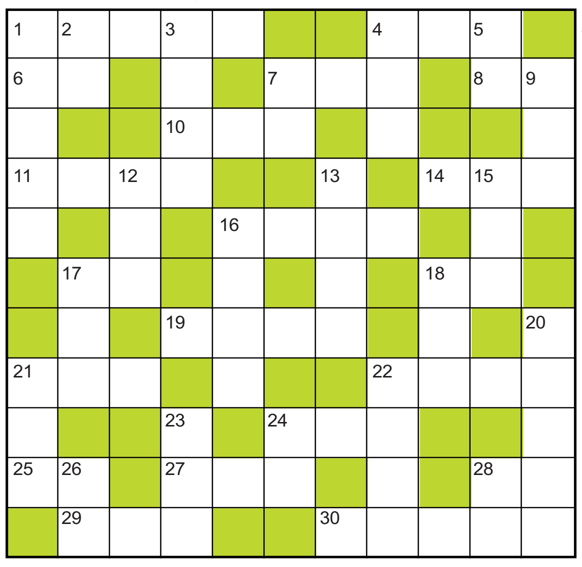

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -4010 का हल

	म	हा	भा	र	त		प	र	वा	ना
त	न		स्क		मा	हि	र		र	ग
न		त	र	क	श		ख	र		वा
ब	न्ध	क			बी	वी		न	ज	र
द		दी		दा	न		फां		ल	
न	ज	र	बं	द		न	सी	ब	वा	ला
	रु		दी		म	न		च		प
श	री	र		जं	हा			प	गा	र
रा		न	म		सा	ग	वा	न		वा
फ	ल		स	ज	ग		च		आ	ह
त	क्ष	शि	ला		र	द्द	क	र	ना	

डेलनाज ईरानी ने सालों तक क्यों ठुकराए पारसी किरदार

अभिनेत्री डेलनाज ईरानी को दर्शक लंबे समय से उनके मजेदार और यादगार किरदारों के लिए जानते हैं। छोटे पर्दे से लेकर फिल्मों तक, उन्होंने कई ऐसे किरदार निभाए हैं जिनमें उनकी कॉमेडी और अभिनय का अलग अंदाज देखने को मिला। हालांकि, इस बार डेलनाज कुछ ऐसा लेकर आई हैं जो उनके लिए भी एक तरह की नई चुनौती है। नेटफ्लिक्स की हालिया सीरीज चुंबक में वह एक पारसी किरदार निभा रही हैं। लेकिन इस किरदार को स्वीकार करना उनके लिए इतना आसान नहीं था।

डेलनाज ने खुलासा किया है कि उन्होंने अपने करियर में लंबे समय तक पारसी किरदारों से दूरी बनाए रखी। इसकी वजह पारसी समुदाय को पर्दे पर दिखाने का वह तरीका था, जिसमें अक्सर उनके बोलने के अंदाज, कपड़ों और हाव-भाव को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। ऐसे में जब उन्हें 'चुंबक' का प्रस्ताव मिला तो उन्हें पहली बार लगा कि इस किरदार को बिना किसी बनावटीपन के निभाया जा सकता है। डेलनाज ने कहा, मैंने अपने करियर में कई चर्चित कॉमेडी किरदार निभाए हैं, लेकिन चुंबक का किरदार मेरे लिए काफी अलग है। मैंने लंबे समय तक पारसी किरदार निभाने से जानबूझकर इनकार किया था। अपने पूरे करियर में मैंने सिर्फ एक पारसी किरदार निभाया था। यह किरदार साल 2004-2005 में जेडी और आतिश के शो बटलीवाला हाउस नंबर 43 में निभाया था। इसके बाद इतने सालों तक मैंने दोबारा इस तरह का किरदार नहीं किया।

डेलनाज ने कहा, जब भी मनोरंजन जगत में पारसी को दिखाया जाता है तो कई बार उसे जरूरत से ज्यादा मजाकिया और बनावटी अंदाज में पेश किया जाता है। किरदारों को एक खास तरह से बोलते हुए दिखाया जाता है, उनके पहनावे और हावभाव को भी बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, जो हमेशा स्वाभाविक नहीं लगता। उन्होंने कहा, सीरीज चुंबक में तारापोरवाला परिवार को काफी सामान्य और सहज तरीके से दिखाया गया है। सीरीज में पांच अलग-अलग परिवारों की कहानी है और तारापोरवाला परिवार को ऐसे पारसी परिवार के रूप में दिखाया गया है, जैसे असल जिंदगी में पारसी बस्तियों में रहने वाले परिवार होते हैं। मुझे यही बात सबसे ज्यादा पसंद आई। मैं लंबे समय तक किसी ऐसे किरदार का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं, जिसमें किसी कम्युनिटी को केवल हंसी-मजाक या एक खास छवि तक सीमित कर दिया जाए। मेरे लिए जरूरी था कि किरदार में इंसानी पहलू हो और दर्शक उससे जुड़ सकें।

डेलनाज ने कहा, चुंबक का किरदार मेरे लिए खुद को एक अभिनेता के तौर पर चुनौती देने का मौका था। मैंने अपने ही अंदाज में खुद से कहा कि अब आगे बढ़कर यह किरदार करके देखना चाहिए और पता लगाना चाहिए कि क्या मैं एक सामान्य पारसी किरदार को सही तरीके से निभा सकती हूं। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी अलग रहा क्योंकि मुझे अपने पुराने कॉमेडी किरदारों से हटकर एक ऐसी भूमिका में काम करने का मौका मिला, जिसमें हास्य के साथ किरदार की अपनी पहचान और परिवार का माहौल भी अहम है। बता दें कि चुंबक में डेलनाज गुलशन तारापोरवाला के किरदार में नजर आ रही हैं। गुलशन एक पारसी सास हैं, जिनका स्वभाव काफी हंसमुख, चुलबुला और मजेदार है। चुंबक में पांच परिवारों की अलग-अलग कहानियों को एक साथ पिरोया गया है। इसमें अलग-अलग तरह के रिश्ते, स्वभाव और पारिवारिक स्थितियां देखने को मिलती हैं। सीरीज का प्रीमियर 10 सितंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर हुआ।

प्रीति जिंटा ने 'बंटवारा 1947' के फ्लॉप होने पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की डिंपल गर्ल प्रीति जिंटा ने लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की थी। लेकिन उनकी कमबैक फिल्म 'बंटवारा 1947' बॉक्स ऑफिस पर वो कमाल नहीं दिखा सकी, जिसकी मेकर्स और फैंस को उम्मीद थी। भारी-भरकम स्टारकास्ट, आमिर खान का प्रोडक्शन और राजकुमार संतोषी का निर्देशन होने के बावजूद फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन काफी निराशाजनक रहा। अब इस फिल्म के फ्लॉप होने पर खुद प्रीति जिंटा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। मिड-डे को दिए इंटरव्यू में प्रीति जिंटा ने फिल्म के प्रदर्शन पर दिल खोलकर बात की और बताया कि एक अभिनेता के तौर पर आप सिर्फ अपनी मेहनत को कंट्रोल कर सकते हैं, फिल्म के नतीजे को नहीं।

प्रीति जिंटा ने कहा, सबसे पहली बात तो यह है कि मुझे अपनी फिल्म पर बहुत गर्व है। यह मेरे लिए एक बहुत ही भावुक कर देने वाला अनुभव रहा। एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा अपनी उम्मीदों को संतुलित रखती हूं। जब मैं काम कर रही होती हूं, तो अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश करती हूं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कर्म के सिद्धांत पर जोर दिया और कहा, मैं कर्म पर विश्वास करती हूं। आप अपना काम पूरी ईमानदारी से करें और बाकी सब ईश्वर पर छोड़ दें। आगे क्या होगा, इस पर आपका कोई नियंत्रण नहीं होता। इसलिए आप हर फिल्म में जितनी हो सके मेहनत करते हैं; मैं अपना 1000 प्रतिशत देती हूँ और बाकी सब भगवान पर छोड़ देती हूं।

फिल्म को क्यों मिला ठंडा रिस्पॉन्स?

फिल्म 'बंटवारा 1947' भारत और पाकिस्तान के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भावुक और गंभीर ड्रामा है। यह कहानी मशहूर नाटककार असगर वजाहत के नाटक 'जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ई नई' पर आधारित थी। फिल्म में सनी देओल और शबाना आजमी मुख्य भूमिकाओं में नज़र आए थे। लाहौर में हवेली के मालिकाना हक और सांप्रदायिक तनाव के बीच बुनी गई यह कहानी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम रही। 'बंटवारा 1947' की निराशा को पीछे छोड़ते हुए प्रीति जिंटा अब अपनी अगली फिल्म 'वाइब' की रिलीज की तैयारी में जुट गई हैं। कुणाल खेमू द्वारा निर्देशित यह एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें प्रीति एक अलग और बेहद मजेदार अंदाज में नजर आने वाली हैं। फिल्म 18 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

राकेश ओमप्रकाश मेहरा की नई लव स्टोरी में दिखेंगे विक्रांत

फिल्ममेकर राकेश ओमप्रकाश मेहरा इन दिनों अपनी सबसे बड़ी फिल्म 'कर्ण' की तैयारियों में बिजी हैं। इसकी शूटिंग शुरू करने से पहले राकेश ओमप्रकाश मेहरा एक छोटी फिल्म पूरी करना चाहते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'राकेश ने विक्रांत को अपनी अगली फिल्म के लिए चुन लिया है। यह फिल्म एक छोटे शहर की प्रेम कहानी होगी। बताया जा रहा है कि मेहरा इस कहानी को काफी समय से अपने साथ लेकर चल रहे हैं और अब इसे परदे पर उतारना चाहते हैं।'

गैंगस्टर का रोल निभाना चाहती हैं मालविका मोहनन

साउथ इंडस्ट्री की पॉपुलर अभिनेत्री मालविका मोहनन बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सरदार 2' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे भविष्य में गैंगस्टर का रोल निभाना चाहेंगी। दरअसल, सोशल मीडिया पर सवाल जवाब के दौरान अभिनेत्री से एक फैन ने पूछा कि वो आगे किस तरह के रोल करना चाहती हैं, तो मालविका ने कहा, 'मैं गैंगस्टर का रोल करना चाहती हूं।' इसके साथ ही उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'सरदार 2' के को-स्टार कार्थी के बारे में भी बताया। एक और फैन ने पूछा कि खाने का शौकीन कौन है, तो एक्ट्रेस ने कहा, 'हम दोनों को ही खाना और स्नैकिंग बहुत पसंद है। मुझे तो कभी भी, कहीं भी स्नैक खाना अच्छा लगता है और प्रमोशन के दौरान मुझे लगा कि कार्थी सर भी मेरे जैसे ही हैं।' फिल्म 'सरदार 2' में अभिनेत्री मालविका मोहनन के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

पी.एस. मित्रन के निर्देशन में बनी फिल्म साल 2022 की हिट फिल्म 'सरदार' का सीक्वल है। साथ ही, यह फिल्म प्रीक्वल का भी काम करती है, जिसमें एजेंट सरदार (चंद्र बोस) के अतीत और उनके बेटे विजय प्रकाश की कहानी को आगे दिखाया जाएगा। डायरेक्टर पी एस मिथरन ने 'सरदार' में पानी के व्यवसायीकरण के मुद्दे को उठाया था। ये फिल्म बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब इस स्पाई थ्रिलर के दूसरे पार्ट में डायरेक्टर ने सेहत और हाइजीन से जुड़े मुद्दों को दिखाने की कोशिश की है। फिल्म में कार्थी एक बार फिर पिता (चंद्रबोस उर्फ सरदार) और पुत्र (इंस्पेक्टर विजय प्रकाश) की दोहरी भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी चंद्रबोस के अतीत के एक अधूरे मिशन और उससे जुड़े पुराने जख्मों से जुड़ी है, जो वर्तमान में एक नए और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय खतरे के रूप में लौटती है। इस सीक्वल में एसजे सूर्या एक खूंखार और शक्तिशाली 'ब्लैक डैगर' की भूमिका निभा रहे हैं, जो कार्थी के सामने एक बड़ी चुनौती बनते हैं। फिल्म में मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और राजिशा विजयन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, फिल्म में योगी बाबू और अन्य जाने-माने कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

फैंस को हमारी केमिस्ट्री पसंद है, इसलिए लेकर आए 'ना पूछदे' सॉन्ग

रियलिटी शोज के जरिए दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाले योगेश रावत और आकांक्षा चौधरी अब एक नए अंदाज में साथ नजर आए हैं। 'स्प्लिट्सविला' और 'लॉक अप' के बाद सुर्खियां बटोर चुकी यह जोड़ी पहली बार एक म्यूजिक वीडियो के लिए साथ आई है। दोनों का नया रोमांटिक गाना 'ना पूछदे' रिलीज हो चुका है, जिसमें योगेश और आकांक्षा की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। खास बात यह है कि गाने में मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ ने आवाज दी है। 'ना पूछदे' को प्ले डीएमएफ और वर्जिन म्यूजिक इंडिया ने पेश किया है। गाने में योगेश रावत और आकांक्षा चौधरी की जोड़ी बेहद रोमांटिक नजर आ रही है। दोनों कलाकारों का कहना है कि यह गाना उनके चाहने वालों के लिए है, जिन्होंने अब तक के सफर में उन्हें भरपूर प्यार दिया है।

गाने को लेकर आकांक्षा चौधरी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ''दर्शकों ने मुझे और योगेश को जो प्यार दिया है, उसके बदले हम भी अपने फैंस को कुछ खास देना चाहते थे। 'ना पूछदे' हमारे लिए ऐसा करने का एक शानदार मौका है। गाने की खूबसूरत लोकेशन ने इसके अनुभव को खास बनाया, वहीं नेहा कक्कड़ की आवाज ने इसमें एक अलग ही मिठास भर दी।'' आकांक्षा ने कहा, ''गाने को बनाते समय पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक जब 'ना पूछदे' को देखेंगे और सुनेंगे, तो वे भी उस प्यार और भावनाओं को महसूस कर पाएंगे, जो इस गाने को तैयार करने में शामिल रही हैं। यह म्यूजिक वीडियो दर्शकों से मिले प्यार के बदले हमारी तरफ से एक छोटा सा तोहफा है।''

वहीं, योगेश रावत ने भी अपने फैंस को सबसे बड़ी ताकत और उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, ''हमारे चाहने वालों ने हमें जिस तरह से सपोर्ट किया है, उसके लिए हम हमेशा आभारी रहेंगे। 'ना पूछदे' के जरिए हमने दर्शकों को अपनी केमिस्ट्री की झलक देने की कोशिश की है, जिसे लोग पसंद करते हैं।'' योगेश ने कहा, ''इस गाने को दर्शकों से जिस तरह का प्यार मिल रहा है, वह हमारे लिए बेहद खास है। अपने पहले गाने में नेहा कक्कड़ की आवाज का होना इस अनुभव को यादगार बनाता है। नेहा की आवाज ने गाने की रोमांटिक भावनाओं को बहुत खूबसूरती से सामने रखा है।''

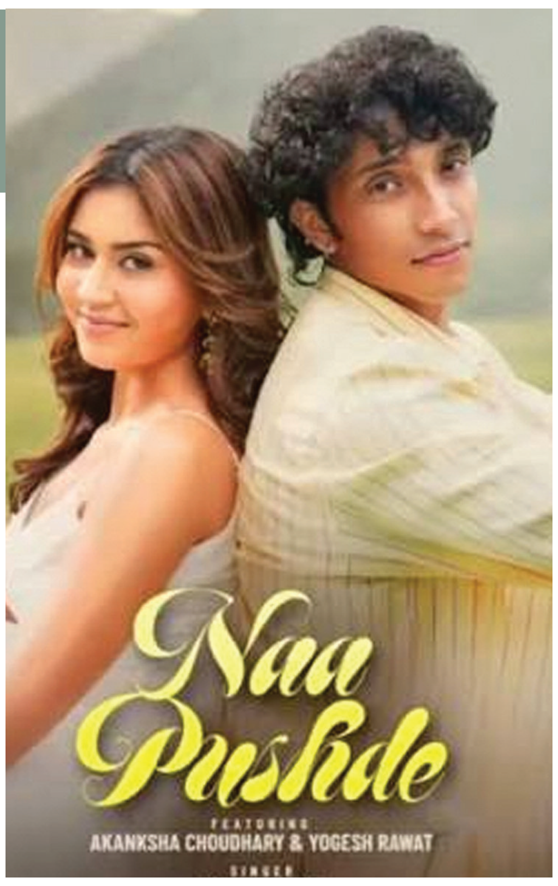

साउथ सिनेमा में शाहिद कपूर की एंट्री

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और 'केजीएफ' व 'सालार' फेम डायरेक्टर प्रशांत नील की मच-अवेटेड फिल्म 'ड्रेगन ' पहले ही अपने बड़े स्केल और दमदार स्टारकास्ट को लेकर चर्चा में है। फिल्म में अनिल कपूर की एंट्री के बाद अब खबर है कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर भी इस एक्शन थ्रिलर का हिस्सा बन सकती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहिद फिल्म में एक नेगेटिव किरदार निभा सकते हैं, जबकि आलिया के रोल को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, इन दोनों नामों को लेकर मेकर्स की तरफ से अभी कोई ऑफिशियली स्टेटमेंट नहीं आई है।

फिल्म की कहानी 1967 के दौर कि है और इसका बैकड्रॉप 'गोल्डन ट्रायंगल' और इंटरनेशनल अफीम ट्रेड से जुड़ा बताया जा रहा है। फिल्म में अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। अब खबरें ये भी हैं कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर इस फिल्म से जुड़ने वाले हैं, हालांकि मेकर्स ने अभी इसपर ऑफिशियली कुछ नहीं कही है।

'ड्रेगन ' में दिख सकती है 'शानदार' जोड़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट और शाहिद कपूर 'ड्रेगन ' में लीड रोल निभाने के लिए टीम में शामिल हो गए हैं। दोनों कलाकारों की ये जोड़ी इससे पहले फिल्म 'शानदार' में साथ नजर आ चुकी है। हालांकि, इस खबर पर अभी तक फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आया है।

शाहिद बनेंगे विलेन

वहीं शाहिद कपूर को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उनके किरदार की है। रिपोर्ट्स की मानें तो 'कबीर सिंह' स्टार फिल्म में नेगेटिव रोल निभा सकते हैं। इससे पहले अप्रैल में 'तेलुगु चित्रालु' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि शाहिद इस प्रोजेक्ट को लेकर मेकर्स के संपर्क में हैं। अगर उनकी एंट्री पक्की होती है, तो ये तेलुगु सिनेमा में शाहिद कपूर की ऑफिशियल एंट्री होगी।

जूनियर एनटीआर की सर्जरी के बाद रिकवरी जारी

फिलहाल जूनियर एनटीआर अपनी कंधे की सर्जरी के बाद रिकवर कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस, दोस्तों और परिवार का उनके सपोर्ट और दुआओं के लिए शुक्रिया भी अदा किया था। इस दौरान प्रशांत नील फिल्म के दूसरे हिस्सों और कलाकारों से जुड़े काम को आगे बढ़ा रहे हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।